संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 306
पृष्ठ 8
रविवार
26 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित
Email : shaharsamta@gmail.com
Website : https://Shaharsamta.com
सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दूध से मिनटों में बनाएं मार्केट...
विचार- खतरे में दिल: जागरूकता शुरुआती...
खेल- झंडू कुमार के ऐतिहासिक कांस्य...

'महिला श्री साहित्य साधना सम्मान' से सम्मानित हुई जबलपुर की वरिष्ठ साहित्यकार उमा मिश्रा प्रीति

प्रयागराज। 'महिला श्री साहित्य साधना सम्मान' का छठा साहित्यिक अलंकरण समारोह आज दिनांक 25 जुलाई 2026, दिन शनिवार समय अपराह्न 04 बजे शहर समता कार्यालय कर्नलगंज सभागार में संपन्न हुआ। इसकी अध्यक्षता शहर समता के अध्यक्ष के के गुप्ता, मुख्य अतिथि प्रोफेसर रवि मिश्र एवं रंजन पाण्डेय तथा विशिष्ट अतिथि संजय सक्सेना रहे।

इस वर्ष यह सम्मान जबलपुर की वरिष्ठ साहित्यकार उमा मिश्रा 'प्रीति' को संस्था के द्वारा प्रदान किया गया। इसके पूर्व रचना सक्सेना ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। यह सम्मान शहर समता सम्पादक व कवि, लेखक उमेश श्रीवास्तव की पत्नी साधना श्रीवास्तव के नाम से दिया जाता है। इसमें पाँच हजार रुपए का चेक, सम्मान पत्र, पदक तथा अंगवस्त्रम् अध्यक्ष तथा अतिथियों द्वारा दिया गया।

इस सम्मान की नींव संस्था के द्वारा सन् 2021 में रखी गई थी। इसके पूर्व सन् 2021 में अहिन्दी क्षेत्रवासी शिलांग की हिन्दी भाषा के प्रति विशेष लगाव रखने वाली वरिष्ठ कवियत्री डॉ० अनीता पाण्डा, सन् 2022 में कानपुर की वरिष्ठ कवियत्री सीमा वर्णिका को, सन् 2023 में प्रयागराज की कवियत्री रचना सक्सेना को, सन् 2024 में सुमन ढ़ीगरा दुग्गल को, 2025 में प्रयागराज की वरिष्ठ साहित्यकार विजय लक्ष्मी विभा को उनके साहित्यिक योगदान के लिए प्रदान किया गया था। 'महिला श्री साहित्य साधना सम्मान' में साधना मात्र एक शब्द नहीं है बल्कि यह साहित्य साधक उमेश जी की जीवनसाथी रही हैं। वह साहित्यकार नहीं थीं लेकिन पुस्तकों से उन्हें बेहद स्नेह था। गद्य एवं पद्य दोनों विधाओं की पारखी थीं। साहित्यिक चर्चा में कलापक्ष एवं भाव पक्ष में प्रौढ़ता झलकती थी तथा भारतीयता से परिपूर्ण साहित्य की प्रबल समर्थक थीं। वह अपनी सकरात्मक साहित्यिक चर्चाओं के लिए सदैव स्मरणीय रहें, इसी पक्ष को ध्यान में रखते हुए 'महिला श्री साहित्य साधना सम्मान' की शुरुआत की गई।

उमा मिश्रा प्रीति के कहानी संग्रह 'मौन अभिव्यक्ति' का हुआ लोकार्पण

इस अवसर की उमा मिश्रा प्रीति की लघुकहानी 'मौन अभिव्यक्ति' का भी लोकार्पण हुआ। तत्पश्चात उमा मिश्रा जी ने अपनी कुछ रचनाओ का काव्यपाठ करते हुए अपने लघुकहानी पुस्तक के विषय पर भी अपने विचार व्यक्त किये। तत्पश्चात संजय सक्सेना, रंजन पाण्डेय, रवि मिश्रा एवं अध्यक्षता कर रहे के के गुप्ता जी ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, राजेश सिंह राज, मुक्तक सम्राट रामकैलाश पाल प्रयागी, संजय सक्सेना, रचना सक्सेना एव प्रयागराज के अनेक साहित्यकार उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया।

पेपर लीक माफिया पर सीएम योगी का बड़ा प्रहार

दोषियों की संपत्ति होगी जब्त, चलेगा बुलडोजर!

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और भविष्य में पेपर लीक जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार संसद में सख्त कानून लाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोषियों को जेल भेजने के साथ उनकी अवैध संपत्तियां भी जब्त की जाएंगी। फतेहपुर के मदारीपुर कला मैदान में 489 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 125 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार छात्रों के हितों की रक्षा के लिए लगातार कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से जुड़े मामलों में भी कार्रवाई की गई है और नई शिक्षा नीति युवाओं को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिला रही है।

मुख्यमंत्री ने कानून–व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में माफिया और अपराधियों के लिए अब कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के लिए केवल दो ही जगह हैं– जेल या जहन्नुम। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में अपराध और भू–माफिया पर प्रभावी कार्रवाई की गई है तथा सरकारी जमीनों

पर अवैध कब्जे हटाए जा रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले युवाओं की नौकरियों पर डकैती डाली जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि 2012 से 2017 के बीच निकली अधिकांश भर्तियां विवादों में रहीं और योग्य अभ्यर्थियों के साथ न्याय नहीं हुआ। इसके विपरीत उनकी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में नौ लाख से अधिक युवाओं को पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी आकांक्षी जिलों में शामिल फतेहपुर आज विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि पहले जिले के विकास के लिए मिलने वाले संसाधनों का दुरुपयोग होता था, जबकि वर्तमान सरकार ने मेडिकल कॉलेज, सड़क, पुल, अस्पताल, बिजली, कंपोजिट विद्यालय, नर्सिंग कॉलेज और अन्य बुनियादी परियोजनाओं के माध्यम से विकास को गांव–गांव तक पहुंचाने का काम किया है।

छात्र आंदोलन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। नीट के पेपर लीक विवाद और पिछले कई हफ्तों से चल रहे भारी विरोध प्रदर्शनों और चौतरफा दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है। मेडिकल छात्रों के भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर सरकार की चौतरफा आलोचना हो रही थी और इस इस्तीफे को परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पर एक इसका ऐलान किया और इस्तीफा देने की वजह भी बताई। अपने चिट्ठी में उन्होंने लिखा कि पिछले चार दशक से

अधिक समय से वह छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहे हैं। उनका हमेशा से मानना रहा है कि मजबूत, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही किसी भी राष्ट्र के विकास की आधारशिला होती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे का पत्र जारी किया। जिसमें उन्होंने लिखा– मेरे युवा साथियों, मैं पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है।

सेवाश्रय शिविर विवाद पर शुभेंदु अधिकारी का बयान, दोषियों तक पहुंचने के लिए जांच तेज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नेता शुभेंदु अधिकारी ने राज्य विधानसभा में शनिवार को कहा कि सरकार तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी द्वारा शुरू किए गए सेवाश्रय शिविरों से जुड़े एक बड़े घोटाले के दोषियों को पकड़ने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। यह शिविर जरूरतमंदों को निःशुल्क चिकित्सकीय मदद देने के लिए आयोजित किया गया था। अधिकारी ने विधायक देबांग्शु पांडा द्वारा सेवाश्रय शिविरों के बारे में लगाए गए आरोपों पर सदन में बयान देते हुए भरोसा दिलाया कि राज्य की सीआईडी (अपराध जांच विभाग), एटीएफ (विशेष कार्य बल) और दक्षिण 24 परगना जिले की पुलिस, चिकित्सकीय विशेषज्ञों के साथ मिलकर इस मामले की व्यापक जांच कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन शिविरों में पीड़ित हुए लोगों की हर शिकायत को प्राथमिकी के तौर पर दर्ज किया जा रहा है और उन्होंने जोर देकर कहा कि इसके लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस मामले में दक्षिण 24 परगना जिले के बिष्णुपुर पुलिस थाने में कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। शुभेंदु ने सदन के समक्ष तस्वीरें पेश करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के तहत कथित गैर–कानूनी कामों की वजह से एक बच्चे ने हाथ गंवा दिया, एक अन्य बच्चा शारीरिक रूप से विकलांग हो गया और एक महिला का पैर काटना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नंदीग्राम और डायमंड हार्बर में निजी तौर पर आयोजित शिविरों में सरकारी अस्पतालों की यूएसजी और एक्सरे जैसी मशीनें और डॉक्टर गैर–कानूनी तरीके से ले जाए गए थे। उन्होंने बताया कि एक मेडिकल कॉलेज के छात्र ने मुख्यमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर शिकायत की थी कि उसे डॉक्टर के तौर पर पेश किया गया। उन्होंने कहा कि ये कथित हरकतें हत्या के बराबर हैं।

मेट्रो, सड़कें, दुकानें सब बंद कर सकते हैं, लेकिन पेपर लीक नहीं रोक पाए

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला

नयी दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक विवाद और छात्रों के आंदोलन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर एक बार फिर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने छात्रों की आवाज दबाने के लिए मेट्रो स्टेशन, सड़कें, दुकानें और इंटरनेट तक बंद कर दिया, लेकिन परीक्षा में पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने में विफल रही। राहुल गांधी ने कहा कि अपने अधिकारों की मांग कर रहे छात्रों के साथ सरकार का रवैया बेहद कठोर रहा है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सरकार ने छात्रों के विरोध को रोकने के लिए मेट्रो सेवाएं सीमित कीं, सड़कें बंद कीं, दुकानें बंद कराईं, इंटरनेट सेवाओं पर असर डाला और खाद्य आपूर्ति तक बाधित की।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार सब कुछ बंद कर सकती है, लेकिन पेपर लीक नहीं रोक पाई। उनके अनुसार, छात्रों की जायज मांगों का जवाब संवाद के बजाय सख्ती से दिया गया।

इससे पहले भी राहुल गांधी ने 20 जुलाई को दिल्ली में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई की आलोचना की थी। उन्होंने एक घायल छात्र का वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि छात्रों को न्याय देने के बजाय उनके खिलाफ बल प्रयोग किया गया। राहुल ने कहा कि आज के भारत में अपने भविष्य और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था की मांग करने वाले युवाओं को न्याय नहीं, बल्कि कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस का कहना है कि 20 जुलाई के प्रदर्शन के दौरान हालात बिगड़ने पर कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई करनी पड़ी। पुलिस के अनुसार, झड़पों में 118 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए, जिनमें वरिष्ठ अधिकारी और महिला पुलिसकर्मी भी शामिल थे। वहीं प्रदर्शनकारियों की ओर से भी करीब 60 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस का दावा है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने हिंसा भड़काने की कोशिश की थी।

इधर, केंद्र सरकार ने पेपर लीक के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 में संशोधन को केंद्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी दे दी है। सूत्रों के अनुसार, संशोधन विधेयक संसद के आगामी कार्यदिवस में पेश किया जा सकता है।

कॉकरोच जनता पार्टी बोली– आंदोलन खत्म, तीनों मांगें पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को आंदोलन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह के साथ प्रवक्ता सौरभ दास, आशुतोष रांका ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। सौरभ दास ने कहा कि जंतर–मंतर मौजूद सभी प्रदर्शनकारी अब अपने घर लौट जाएं। रांका ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सरकार से 3 बार बातचीत हुई। हमारी तीनों मांगें मान ली गई हैं।

इनमें धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, सभी केस वापस लिए जाएं और नीट पीड़ितों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए शामिल हैं। इससे पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर आते ही जंतर–मंतर पर जश्न का माहौल है। छात्रों ने छात्र एकता जिंदाबाद के नारे लगाए। राष्ट्रगान गाया।

इस दौरान नीट पेपर लीक के बाद जान गंवाने स्टूडेंट्स के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। नड्डा ने कहा, षमित्रों, आज सौरव के साथ हमारी तीसरी बैठक हुई। आज भी लंबी बातचीत हुई।

उन्होंने चार पॉइंट दिए और उनकी मांगों पर चर्चा हुई। सबसे पहली मांग थी कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई न हो, जिसे सरकार ने स्वीकार कर लिया है। वहीं, पांच बिंदुओं के प्रस्ताव पर हमारा कहना है कि परीक्षा सुधार के लिए चिंतन करेंगे और फिर इन्हें इसकी जानकारी देंगे। नड्डा ने कहा, ष्सरकार ने मांगों को मान लिया है।

प्रतिबंधित पशु काट रहे लोगों ने पुलिस को देखकर चलाई गोली, जवाबी कार्रवाई में एक घायल, आठ गिरफ्तार

प्रयागराज। नैनी स्थित काशीराम आवास योजना क्षेत्र में प्रतिबंधित पशु की हत्या कर उसका मांस जमा करते आठ लोगों को स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार देर रात पकड़ लिया है। पुलिस पर गोली चलाई गई तो जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी है। एक पशु को जीवित बरामद करने में पुलिस को कामयाबी मिली है। नैनी स्थित काशीराम आवास योजना क्षेत्र में प्रतिबंधित पशु की हत्या कर उसका मांस जमा करते आठ लोगों को स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार देर रात पकड़ लिया है। पुलिस पर गोली चलाई गई तो जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी है। एक पशु को जीवित बरामद करने में पुलिस को कामयाबी मिली है। विश्व हिंदू परिषद काशी प्रांत गोरक्षा समिति की सूचना पर नैनी पुलिस ने शुक्रवार देर रात करीब एक बजे के आसपास कार्रवाई की। इस दौरान प्रतिबंधित पशु का वध करने के आरोपियों ने पुलिस पर फायर किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में काशीराम आवास योजना निवासी हामिद के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। हामिद के खिलाफ नैनी सहित अन्य स्थानों पर एक दर्जन से अधिक प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस के मुताबिक घटनास्थल से एक जीवित पशु बंधा मिला। तीन प्रतिबंधित पशुओं के अवशेष, वध करने वाले उपकरण, मांस आदि बरामद किया गया है। एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह ने बताया कि देर रात सूचना मिली थी जिस पर कार्रवाई करते हुए अरैल रोड स्थित काशीराम आवास योजना में छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान वध करने वालों द्वारा पुलिस टीम पर फायर किया गया। जवाबी कार्रवाई में हामिद नाम के एक युवक के पैर में गोली लगी है। पुलिस पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुट गई है।

रनिंग कर्मचारियों के लिए 662 नए पद स्वीकृत

प्रयागराज। नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मेंस यूनियन (एनसीआरएमयू) प्रयागराज मंडल की स्थायी वार्ता तंत्र (पीएनएम) की दूसरे दिन की बैठक में शुक्रवार को कर्मचारियों की विभिन्न मांगों पर चर्चा की गई। यूनियन पदाधिकारियों को बताया गया कि रनिंग कर्मचारियों के लिए 662 नए पद स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 900 अन्य पदों की समीक्षा चल रही है। अपर मंडल रेल

प्रबंधक दीपक कुमार और महामंत्री आरडी यादव की उपस्थिति में बैठक सुबह 11 बजे शुरू हुई। बैठक में कहा गया कि संकेत एवं दूर संचार विभाग के कर्मचारियों को पानी की बोतलें उपलब्ध कराने का प्रस्ताव मुख्यालय भेजा गया है। सहमति मिलने पर यह सुविधा दी जाएगी। रनिंग कर्मचारियों के लंबित ओवरटाइम का भुगतान जांच के बाद किया जाएगा। संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियरों ने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों से आठ घंटे की ही ड्यूटी ली जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर किसी कर्मचारी से आठ घंटे से अधिक काम लिया जाता है तो उसे क्षतिपूरक अवकाश मिलेगा। सी एंड डब्ल्यू के पांच मद और इलेक्ट्रिकल विभाग के कई मुद्दों को भी हल किया गया। यूनियन पदाधिकारी नागेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि अफसरों ने आश्वस्त किया है कि सी एंड डब्ल्यू के कर्मचारियों को हर वर्ष सेफ्टी शूज उपलब्ध कराए जाएंगे। रोलिंग हटों पर कूलर की व्यवस्था भी की जाएगी। एसी स्टाफ के लिए दिल्ली में रहने के लिए कैंपिंग कोच की व्यवस्था कर दी गई है। यह सुविधा अन्य स्थानों पर भी उपलब्ध कराई जाएगी। कर्मचारी ट्रेन के कोच में भी रह सकते हैं। यदि कोई इस व्यवस्था का विरोध करता है तो शाखा मंत्री सी एंड डब्ल्यू बृजेंद्र कुमार को सूचित करें। आठ घंटे से अधिक ड्यूटी पर क्षतिपूरक अवकाश न मिलने की स्थिति में कर्मचारी शिकायत कर सकते हैं। बैठक में मनोज कुमार त्रिपाठी, सईद अहमद, नागेंद्र बहादुर सिंह, ओपीएस कुशवाहा, आशीष कुमार, बृजेंद्र कुमार, वीरेंद्र सिंह, जयकिशन अजवानी, सरदार सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रयागराज जंक्शन को मिला दो वॉशिंग लाइन का तोहफा

प्रयागराज। जंक्शन के सिविल लाइंस साइड में दो नई अत्याधुनिक वॉशिंग लाइनों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। इस नई व्यवस्था के शुरू होने से अब यहां 24 कोच वाली ट्रेनों की भी यहां बेहद आसानी से सफाई और रखरखाव हो सकेगा। हालांकि इस वॉशिंग लाइन की क्षमता 26 कोच की है। दरअसल,

रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज जंक्शन के पुनर्विकास (रीडेवलपमेंट) प्रोजेक्ट के तहत पुरानी और सीमित क्षमता वाली वॉशिंग लाइन को हटाकर उसकी जगह इन दो नई वॉशिंग लाइनों को तैयार किया गया है। जंक्शन पर बढ़ते ट्रेनों के दबाव और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए यह कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रेलवे ने आगामी माघ मेले और कुंभ के दौरान उमड़ने वाली भीड़ और विशेष ट्रेनों के संचालन को ध्यान में रखते हुए भी पुख्ता इंतजाम किए हैं। सिविल लाइंस साइड में ही दो नई वॉशिंग लाइनों के साथ-साथ चार नई स्टेबलिंग लाइनों का भी निर्माण किया गया है। इन स्टेबलिंग लाइनों के बन जाने से अतिरिक्त रेक (ट्रेनों के खाली डिब्बे) या अचानक चलने वाली मेला स्पेशल ट्रेनों को खड़ा करने में बड़ी राहत मिलेगी। इससे मुख्य लाइनों पर ट्रेनों का दबाव कम होगा और जंक्शन पर ट्रेनों के समयपालन में सुधार आएगा। प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह का मानना है कि इन सभी विकास कार्यों के पूरा होने के बाद प्रयागराज जंक्शन न सिर्फ अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, बल्कि आने वाले समय में यहां से कई नई ट्रेनों के संचालन का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

पेपर लीक, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर सड़क पर उतरे छात्र, पत्थर गिरजाघर पर प्रदर्शन

प्रयागराज। नीट पेपर लीक, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती, रिक्त पदों पर नियुक्ति और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर शनिवार को छात्र सड़क पर उतर गए।

नीट पेपर लीक, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती, रिक्त पदों पर नियुक्ति और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर शनिवार को छात्र सड़क पर उतर गए। हजारों की संख्या में नारेबाजी करते हुए छात्रों सिविल लाइंस में सुभाष चौराहे से लेकर पत्थर गिरजाघर तक प्रदर्शन किया और जुलूस निकालकर नारेबाजी की। आंदोलन के मद्देनजर भारी फोर्स बुला ली गई। छात्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते रहे। केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं, नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती और रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर शनिवार को पत्थर गिरजाघर स्थित धरना स्थल पर विभिन्न छात्र व युवा संगठनों ने प्रदर्शन किया। दिशा छात्र संगठन, संयुक्त युवा मोर्चा, आइसा, डीएलएड अभ्यर्थी संगठन की ओर से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और अभ्यर्थी धरना स्थल पर जुटे। प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई।

दिशा छात्र संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं ने लाखों युवाओं के भविष्य को संकट में डाल दिया है। वर्षों की तैयारी के बावजूद अभ्यर्थियों को निष्पक्ष परीक्षा और समयबद्ध भर्ती नहीं मिल पा रही है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की जवाबदेही तय करने और परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग की।

वहीं संयुक्त युवा मोर्चा और डीएलएड अभ्यर्थियों ने उत्तर प्रदेश में नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती का विज्ञापन तत्काल जारी करने, प्राथमिक विद्यालयों के रिक्त पदों को भरने और भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बड़ी संख्या में प्रशिक्षित युवा वर्षों से भर्ती का इंतजार कर रहे हैं लेकिन सरकार नई भर्ती शुरू नहीं कर रही है।

धरने के दौरान अभ्यर्थियों ने पेपर लीक की घटनाओं पर रोक लगाने, भर्ती परीक्षाओं को पूरी तरह पारदर्शी और नकलविहीन कराने, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और केंद्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में खाली पड़े पदों पर जल्द नियुक्तियां करने की मांग की। छात्र नेताओं ने कहा कि यदि युवाओं की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

नीट पेपर लीक और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर सड़क पर उतरे छात्र और युवाओं का हौसला तेज बारिश भी नहीं कम कर सकी। मूसलधार बारिश के दौरान छात्र नारेबाजी करते रहे और प्रदर्शन करते दिखे। बारिश बंद हो के बाद फिर आंदोलन तेज हो गया।

रिश्वत के आरोपों के बीच एसडीएम के सामने रख दी नोटों की गड्डी, तहसील में मचा हड़कंप

प्रयागराज। संगम नगरी की सदर तहसील में शुक्रवार को आयोजित जनता दर्शन के दौरान उस समय एक बेहद अजीब और हैरान करने वाली स्थिति पैदा हो गई, जब एक व्यक्ति एसडीएम के सामने सीधे नोटों की गड्डी लेकर पहुंच गया।

संगम नगरी की सदर तहसील में शुक्रवार को आयोजित जनता दर्शन के दौरान उस समय एक बेहद अजीब और हैरान करने वाली स्थिति पैदा हो गई, जब एक व्यक्ति एसडीएम के सामने सीधे नोटों की गड्डी लेकर पहुंच गया। उस व्यक्ति ने बिना किसी झिझक के अधिकारी की टेबल पर रुपये रखते हुए तंजिया लहजे में कहा कि लेखपाल 50 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है, अगर काम कराने की यही व्यवस्था है तो ये रुपये मैं आपके सामने ही दे रहा हूं, कृपया मेरा काम करा दीजिए। इस अप्रत्याशित घटना से कुछ देर के लिए तहसील परिसर में मौजूद अधिकारी, कर्मचारी और अपनी फरियाद लेकर आए आम लोग पूरी तरह सन्न रह गए।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार को एसडीएम सदर अंकित वर्मा जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इसी बीच वहां पहुंचे एक व्यक्ति ने अपनी जेब से नोटों का बंडल निकालकर सीधे टेबल पर रख दिया। आरोप लगाया कि एक व्यक्ति ने उनसे जमीन की पैमाइश कराने का अनुरोध किया था। इलाके में भूमाफिया के सक्रिय होने के चलते दूसरे क्षेत्र के दो लेखपाल को पैमाइश की जिम्मेदारी दी गई थी। आरोप है कि दोनों लेखपालों ने रिपोर्ट लगाने के एवज में एक लाख रुपये की मोटी रकम मांगी थी।

शिकायतकर्ता ने बताया कि पीड़ित ने इतनी बड़ी राशि एक साथ देने में असमर्थता जताई थी, जिसके बाद रविवार को डीएम कार्यालय के गेट के सामने 50 हजार रुपये की पहली किस्त दी गई। इसके बाद शुक्रवार की सुबह करीब 8ः53 बजे उनके मोबाइल पर कॉल कर बाकी के 50 हजार रुपये तुरंत भेजने का दबाव बनाया गया।

एसडीएम सदर ने दो लेखपाल को किया तलब, दोनों ने आरोपों को किया खारिज

इस मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए एसडीएम सदर ने तुरंत संबंधित लेखपाल को मौके पर तलब किया और इन गंभीर आरोपों पर जवाब-तलब किया। हालांकि, आरोपी लेखपाल ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें पूरी तरह निराधार और झूठा बताया। एसडीएम ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले की जांच तहसीलदार को सौंप दी। कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और यदि रिश्वत मांगने का आरोप सही पाया जाता है, तो दोषी कर्मचारी के खिलाफ नियमानुसार बेहद सख्त कदम उठाया जाएगा। उधर, शिकायतकर्ता ने इस पूरे मामले की लिखित शिकायत मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से भी की है।

लावारिस शवों पर बिखरा सिस्टम, भटक रहे परिजन

प्रयागराज। लावारिस शवों की पहचान की व्यवस्था सवालों के घेरे में है। कुछ ही दिनों के भीतर सामने आए दो मामलों ने यह साफ कर दिया कि थानों के बीच समन्वय, सूचना तंत्र और पहचान की प्रक्रिया आज भी गंभीर खामियों से जूझ रही है। नतीजतन अपनों की तलाश में परिजन दर-दर भटकने को मजबूर हैं। ताजा मामला औद्योगिक क्षेत्र के बेलवट निवासी कमला प्रसाद के 31 वर्षीय बेटे सोहन का है। 15 जुलाई को जसरा बाईपास पर सड़क हादसे में घायल होने के बाद उसकी मौत हो गई। पहचान न होने पर शव पोस्टमार्टम हाउस में लावारिस रख दिया गया। उधर, परिवार लगातार उसकी तलाश करता रहा। आठवें दिन मां गीता देवी ने थाने में कपड़ों और साइकिल के आधार पर बेटे की पहचान की। सवाल यह है कि यदि परिवार तलाश में था तो सूचना तंत्र उन्हें समय रहते शव तक क्यों नहीं पहुंचा सका। इससे पहले नैनी में ही रहने वाले औता मेजा निवासी एलनगंज स्थित उच्च शिक्षा निदेशालय के कर्मचारी हरिओम का मामला भी सुर्खियों में रहा। परिजनों का आरोप है कि तीन दिन तक शव की पहचान नहीं हो सकी। शिकायतें अलग-अलग थानों तक पहुंचीं लेकिन समन्वय के अभाव में शव मोर्चरी में पड़ा रहा। आखिरकार पुलिस द्वारा दिखाए गए फोटो से बेटे ने पिता की पहचान की। शहर में हर महीने औसतन 80 से 90 लावारिस शव मिलने के आंकड़े बताते हैं कि यह कोई अपवाद नहीं, बल्कि व्यवस्था की नियमित चुनौती है। सवाल यह है कि जब थानों के बीच डिजिटल नेटवर्क, वायरलेस संचार और फोटो साझा करने जैसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं, तब भी पहचान में कई-कई दिन क्यों लग रहे हैं? डीसीपी सिटी मनीष शांडिल्य ने बताया कि दोनों मामलों की जांच कराई जा रही है। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या समन्वय में कमी सामने आती है तो कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए सभी थानों को लावारिस शवों की पहचान और सूचना के त्वरित आदान-प्रदान के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

हाईकोर्ट के आदेश पर चुनाव की घोषणा, 5 अगस्त को दक्षता भाषण, 5 को मतदान

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला अधिवक्ता संघ चुनाव तीन हफ्ते में पूरा कराने का आदेश दिया है। इसके लिए कोर्ट ने दस सदस्यीय एल्डर कमेटी और दो चुनाव अधिकारियों को नियुक्त कर आचार संहिता का पालन कराते हुए चुनाव कराने की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, कोर्ट के आदेश के बाद शुक्रवार की दोपहर एल्डर कमेटी की हुई बैठक में पांच अगस्त को दक्षता भाषण और सात अगस्त को मतदान की घोषणा कर दी है। अरुण कुमार पांडेय की याचिका पर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान पोस्टर, बैनर, जुलूस, नारेबाजी, लंच-डिनर पार्टियां, कोर्ट परिसर में इलेक्ट्रॉनिक प्रचार पर पूरी तरह रोक रहेगी। चुनावी नारेबाजी से न्यायिक कार्य में किसी भी प्रकार का व्यवधान करने वाले वकीलों के खिलाफ बार कौंसिल में कार्रवाई के साथ ही अवमानना की कार्यवाही भी की जा सकेगी। कोर्ट ने पूरी चुनाव प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में कराने का निर्देश दिया है। साथ ही प्रयागराज के पुलिस आयुक्त को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने का आदेश भी दिया है। कोर्ट के आदेश से चुनाव का रास्ता साफ होने के बाद शुक्रवार को एल्डर कमेटी की बैठक में चुनाव कराने की रूपरेखा तय की गई। इसके तहत पांच अगस्त को दक्षता भाषण व सात अगस्त को मतदान कराए जाने की घोषणा कर दी गई। कोर्ट के आदेश पर चुनाव अधिकारी बनें राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव और अखिलेश झा चुनाव का पर्यवेक्षण भी करेंगे। बैठक में एल्डर कमेटी के सदस्य गिरीश कुमार तिवारी, शीतला प्रसाद मिश्र, राकेश कुमार तिवारी, भगवत प्रसाद पांडेय, राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, राकेश कुमार दुबे व मंत्री वरुण कुमार सिंह मौजूद रहे। चुनाव अधिकारियों ने प्रत्याशियों से आचार संहिता का पालन करने की अपील की है। कहा है कि चुनाव के दौरान न्यायालय परिसर के साथ ही शहर में लगे पोस्टर, बैनर और होर्डिंग लगाने की अनुमति नहीं होगी, जो लगी है उसे प्रत्याशी रविवार तक हटा लें। प्रत्याशी न्यायालय परिसर में वकीलों से शांतिपूर्वक संपर्क कर सकते हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि चुनाव खत्म होने तक किसी भी प्रत्याशी व उनके समर्थकों को भोज-भंडारे का आयोजन करने की इजाजत नहीं होगी। चुनाव के दिन मतदान परिसर में केवल उन्हीं अधिवक्ताओं को प्रवेश मिलेगा जिनके पास मूल सीओपी कार्ड या प्रमाणपत्र होगा।

सांसद चंद्रशेखर पर जातिवादी टिप्पणी करने के आरोपी को नहीं मिली राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नगीना लोकसभा क्षेत्र से सांसद चंद्रशेखर के खिलाफ फेसबुक पर कथित जातिवादी टिप्पणी करने के आरोपी चंद्र प्रकाश सिंह उर्फ गोली ठाकुर को आरोप मुक्त करने से इन्कार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि आरोप तय करने या समन जारी करने के चरण में अदालत को केवल यह देखना होता है कि प्रथम दृष्टया मामला बनता है या नहीं। इस स्तर पर अदालत से सबूतों का विस्तृत मूल्यांकन करते हुए 'मिनी-ट्रायल' करने की अपेक्षा नहीं की जाती। यह आदेश न्यायमूर्ति संतोष राय की पीठ ने आरोपी की आपराधिक अपील खारिज करते हुए दिया। हमीरपुर निवासी याची के खिलाफ सुमेरपुर थाने में सांसद के खिलाफ टिप्पणी करने के मामले में एससी/एसटी एक्ट, आईटी एक्ट सहित विभिन्न आरोपों में प्राथमिकी दर्ज है।

एसडीएम की टेबल पर रख दी नोटों की गड्डी, कहा-अगर ऐसे ही काम होता है तो कृपया मेरा काम करा दीजिए

प्रयागराज। संगम नगरी की सदर तहसील में शुक्रवार को आयोजित जनता दर्शन के दौरान एक व्यक्ति ने एसडीएम की टेबल पर नोटों की गड्डी रखते हुए कहा कि लेखपाल 50 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। अगर काम कराने की यही व्यवस्था है तो रुपये मैं आपके सामने ही दे रहा हूं। कृपया मेरा काम करा दीजिए। इस अप्रत्याशित घटना से कुछ देर के लिए तहसील परिसर में मौजूद अधिकारी, कर्मचारी सन्न रह गए।

शुक्रवार को एसडीएम सदर अंकित वर्मा जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इसी बीच वहां पहुंचे एक व्यक्ति ने अपनी जेब से नोटों का बंडल निकालकर सीधे टेबल पर रख दिया। उसने बताया कि एक व्यक्ति ने उनसे जमीन की पैमाइश कराने का अनुरोध किया था। इलाके में भूमाफिया के सक्रिय होने के कारण दूसरे क्षेत्र के दो लेखपालों को पैमाइश की जिम्मेदारी दी गई थी। उसने आरोप है कि दोनों लेखपालों ने रिपोर्ट लगाने के एवज में एक लाख रुपये की मोटी रकम मांगी थी।

शिकायतकर्ता ने बताया कि पीड़ित ने इतनी बड़ी राशि एक साथ देने में असमर्थता जताई। जिसके बाद रविवार को डीएम कार्यालय के गेट के सामने 50 हजार रुपये की पहली किस्त दी गई। इसके बाद शुक्रवार की सुबह करीब 8ः53 बजे उनके मोबाइल पर फोन कर बाकी के 50 हजार रुपये तुरंत भेजने का दबाव बनाया गया। मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए एसडीएम सदर ने तुरंत संबंधित लेखपाल को मौके पर तलब किया। आरोपी लेखपालों ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज किया। एसडीएम ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले की जांच तहसीलदार को सौंप दी। उधर, शिकायतकर्ता ने इस पूरे मामले की लिखित शिकायत मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से भी की है।

जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। यदि रिश्वत मांगने का आरोप सही पाया जाता है तो दोषी कर्मचारी के खिलाफ नियमानुसार बेहद सख्त कदम उठाया जाएगा। -अंकित वर्मा, एसडीएम सदर

इविवि में बीएएलएलबी, बीए-बीएड में दाखिले शुरू

प्रयागराज। इविवि में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विवि 19 स्नातक पाठ्यक्रमों में लगभग 4000 सीटों पर दाखिला करेगा। नई शिक्षा नीति के तहत पहली बार चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीए-बीएड और पांच वर्षीय योग पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। विवि प्रशासन ने 13 अगस्त से पहले प्रवेश प्रक्रिया संपन्न करने का लक्ष्य रखा है। विवि ने शुक्रवार को पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएएलएलबी (ऑनर्स), बीए-बीएड और पांच वर्षीय पर्यावरण व आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम की पहली मेरिट सूची जारी कर दी। बीएएलएलबी में अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 577, ओबीसी 554, एससी 530 और एसटी 436 अंक रहा। चयनित अभ्यर्थियों को 26 जुलाई शाम पांच बजे तक ऑनलाइन शुल्क जमा करना होगा।

वहीं, पहली बार शुरू किए गए चार वर्षीय बीए-बीएड पाठ्यक्रम में अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 369 और एसटी वर्ग का 259 अंक निर्धारित किया गया है। चयनित अभ्यर्थी शनिवार दोपहर 12ः01 बजे से 27 जुलाई सुबह 8ः59 बजे तक प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। प्रवेश केवल एनसीईटी-2026 के आधार पर उन्हीं अभ्यर्थियों को मिलेगा जिन्होंने समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। विषय आवंटन अभ्यर्थियों की वरीयता और सीटों की उपलब्धता के अनुसार होगा। इसके अलावा पांच वर्षीय पर्यावरण व आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम में अनारक्षित वर्ग का कटऑफ 430 अंक तय किया गया है। इस पाठ्यक्रम के अभ्यर्थी 26 जुलाई रात 11 बजे तक शुल्क जमा कर सकते हैं।

इससे पहले बृहस्पतिवार को बीकॉम, इंटीग्रेटेड बीबीए-एमबीए, बीवोक फूड प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी और इंटीग्रेटेड बीसीए-एमसीए (डाटा साइंस) की पहली मेरिट सूची जारी की गई थी। इविवि ने अभ्यर्थियों से समर्थ पोर्टल पर नियमित रूप से लॉगिन कर सीट आवंटन और प्रवेश संबंधी अपडेट देखते रहने की अपील की है।

इविवि में सत्र 2026-27 के पीजी प्रवेश की प्रक्रिया तेज हो गई है। विवि ने विकास अध्ययन केंद्र में प्रवेश के लिए कटऑफ जारी करने के साथ ही एमए व एमपीए (वोकल, सितार व तबला) में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन की तिथि भी घोषित कर दी है। अभ्यर्थियों को पीजीएटी-2026 लॉगिन के माध्यम से ई-काउंसलिंग पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। ऑनलाइन काउंसलिंग की अंतिम तिथि 27 जुलाई है। केंद्र में प्रवेश के समय मूल प्रमाणपत्रों का भौतिक सत्यापन भी कराया जाएगा। पहले से किसी विषय में पीजी कर चुके अभ्यर्थियों का प्रवेश सक्षम प्राधिकारी की अनुमति और पीजीएटी-2026 के नियमों के अनुसार होगा। जारी कटऑफ के अनुसार अनारक्षित और ओबीसी वर्ग के लिए 141 या उससे अधिक, ईडब्ल्यूएस के लिए 106.20 और एससी वर्ग के लिए 94 या उससे अधिक अंक निर्धारित किए गए हैं। संगीत व प्रदर्शन कला विभाग ने एमए व एमपीए (वोकल, सितार और तबला) में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों के मूल अभिलेखों का भौतिक सत्यापन 27 जुलाई को सुबह 11 बजे विभाग में कराने का निर्देश दिया है।

पूर्व विधायक मो. रिजवान को राहत, हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी पर लगाई अंतरिम रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा के पूर्व विधायक मो. रिजवान को बड़ी राहत दी है। संपत्ति विवाद से जुड़े एक मामले में पक्षकारों के बीच सुलह की संभावना को देखते हुए मामले को मध्यस्थता के लिए भेजने का निर्देश दिया है। साथ ही गिरफ्तारी पर अगली सुनवाई तक अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने दिया है। मुरादाबाद के कुंदरकी थाने में पूर्व विधायक व अन्य पर तीन जुलाई 2026 को धोखाधड़ी व जालसाजी के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। याची ने दर्ज एफआईआर को रद्द करने व गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि एफआईआर पक्षकारों के बीच संपत्ति विवाद के कारण दर्ज हुई है और दोनों पक्षों के बीच समझौते की संभावना है। पक्षकारों के अधिवक्ताओं ने भी सुलह की संभावना स्वीकार की। इसके बाद हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को छह अगस्त 2026 को हाईकोर्ट के मध्यस्थता केंद्र में उपस्थित होने का निर्देश दिया।

अदालत ने मध्यस्थ को एक महीने के भीतर मध्यस्थता अथवा सुलह की प्रक्रिया पूरी करने का प्रयास करने और मध्यस्थता केंद्र को दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 24 सितंबर 2026 को होगी। तब तक याचिकाकर्ताओं को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

डिप्टी सीएम ने ली स्वयं सहायता समूहों की जानकारी

लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, दोषी अधिकारियों पर होगी कठोर कार्यवाही-केशव

लखनऊ (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन यूपीएसआरएलएम की ग्राम्य विकास विभाग के उच्चाधिकारियों से कहा कि नवगठित स्वयं सहायता समूहों को सात दिनों के भीतर डिजिटल प्रमाण–पत्र उपलब्ध कराये जाए तथा एसएमएस के माध्यम से समूह की स्वीकृति एवं अन्य आवश्यक सूचनाएं भी तत्काल भेजी जाएं ताकि समूहों को समय पर योजनाओं का लाभ की जानकारी मिल सके और उनकी कार्यप्रणाली सुचारु रूप से प्रारंभ हो साथ ही मिशन के कार्यक्रमों एवं समूहों की सम्पूर्ण जानकारी लेते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। श्री मौर्य ने कहा कि भविष्य में मिशन के अंतर्गत संचालित सभी कार्यों की समीक्षा केवल कागजी अभिलेखों के आधार पर नहीं, बल्कि जियो–टैग फोटो, पोर्टल पर उपलब्ध वास्तविक डेटा तथा धरातलीय साक्ष्यों के आधार पर की जाए। योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, स्वयं सहायता समूह गठन की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में समूह गठन की गति को तेज किया जाए तथा जहां भी प्रगति अपेक्षित स्तर पर नहीं है, वहां विशेष अभियान चलाकर निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित कराएं प्रदेश के सभी निष्क्रिय एवं शिथिल स्वयं सहायता समूहों को शीघ्र सक्रिय किया जाए तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा समूहों की सखियों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर उन्हें पुनः संचालित करने में हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाए।अफसर जिला एवं ब्लाक स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक करें एवं बैठकों में लिए गए निर्णयों और उन पर की गई कार्यवाही से अवगत कराया जाए। प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही तय की जाए तथा जिन अधिकारियों की कार्यशैली में लापरवाही या उदासीनता पाई जाएगी, उनके विरुद्ध कठोर विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। स्वयं सहायता समूहों के गठन, समावेशन, बैंक ऋण वितरण, कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों, महिला उद्यमिता, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। श्री मौर्य ने कहा कि अधिक से अधिक पात्र महिलाओं को इस योजना से जोड़कर उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यम स्थापना के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत में बीमा सखी की तैनाती के निर्देश भी दिए, जिससे ग्रामीण परिवारों तक बीमा योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंच सके एवं कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों को ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित करने के साथ ही प्रेरणा कृषि उपकरण बैंक का व्यापक प्रचार–प्रसार करने तथा अधिक से अधिक स्वयं सहायता समूहों को इससे जोड़ने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि जब ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, तभी उत्तर प्रदेश तेज गति से विकास करते हुए वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। देश को सशक्त बनाने का रास्ता नारी शक्ति से होकर जाता है।

चश्मा और मास्क पहनकर छात्रों के बीच पहुंचीं प्रिया सरोज

छात्रों के प्रोटेस्ट में एक्टिव प्रिया

लखनऊ (संवाददाता)। दिल्ली के जंतर मंतर में छात्रों का आंदोलन जारी है। समाजवादी पार्टी का छात्रों के आंदोलन को पूरा समर्थन है। सपा की लोकसभा सांसद प्रिया सरोज भी सक्रिय नजर आ रही हैं। इस बीच प्रिया सरोज का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दावा किया गया है कि वह रात 2 बजे जंतर–मंतर पर सांसद नहीं बल्कि एक छात्रा के रूप में पहुंचीं। वीडियो में चश्मा और मास्क पहनकर प्रिया छात्रों के बीच एक छात्रा की तरह जाती हुई नजर आ रही हैं। जिस पर लोग जमकर प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं और उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। इससे पहले प्रिया प्रोटेस्ट के दौरान भी कई बार छात्रों के बीच पहुंच चुकी हैं।प्रिया छात्रों के आंदोलन पर मंच से भी सरकार के खिलाफ दहाड़ चुकी हैं। वह छात्रों के बीच पूरा सपोर्ट करती हुई नजर आई थीं। सोनम वांगचुक से अस्पताल में मिलने के लिए भी प्रिया ने अस्पताल के बाहर बैठकर काफी इंतजार किया था। तब तक इंतजार करने की बात की थी, जब तक उन्हें सोनम से मिलने नहीं दिया गया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और सांसद डिंपल यादव के साथ भी सरोज हर मुद्दे पर कंधे से कंधा मिलाते हुए नजर आती रहती हैं। जिस वजह से उनकी गिनती सपा की महिला त्रिमूर्ति में होने लगी है। मछलीशहर से सपा सांसद प्रिया सरोज सोशल मीडिया पर भी खासा एक्टिव हैं। नीट परीक्षा पेपर लीक और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर एक माह से जंतर–मंतर पर छात्रों का आंदोलन जारी है। देश भर से युवा इकट्ठा होकर दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्ष समेत कई संगठनों का धरना दे रहे छात्रों को पूरा समर्थन मिल चुका है। इस पूरे प्रोटेस्ट को कॉकरोच जनता पार्टी लीड कर रही है। सरकार और सीजेपी के बीच दो दौर की वार्ता भी हो चुकी है। छात्र शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़े हैं।

लखनऊ अग्निकांड, जिस बिल्डिंग में हुई 15 मौतें... उसपर चला एलडीए का बुलडोजर

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने शनिवार को शहर के अलीगंज इलाके में उस चार मंजिला इमारत को गिराना शुरू कर दिया, जहां पिछले महीने भीषण आग में 15 लोगों की मौत हो गई थी। शनिवार सुबह एलडीए की टीम स्थानीय पुलिस कर्मियों के साथ तीन बुलडोजर लेकर घटनास्थल पर पहुंची। इमारत गिराने की प्रक्रिया शुरू होने से पहले अवरोधक लगा दिए गए और इमारत के चारों ओर की सड़कें बंद कर दी गईं। एलडीए के अधिकारियों ने कहा कि ध्वस्तीकरण एलडीए द्वारा शुरू की गई कार्यवाही के बाद किया गया है, जिसमें पाया गया कि एक बेसमेंट और दो मंजिलों वाली आवासीय संरचना के रूप में स्वीकृत इमारत में एक अतिरिक्त मंजिल बनायी गयी और अनधिकृत निर्माण के साथ उसे एक वाणिज्यिक प्रतिष्ठान में बदल दिया गया था। प्राधिकरण ने 23 जून को उत्तर प्रदेश शहरी नियोजन और विकास अधिनियम, 1973 के तहत एक नोटिस जारी किया था, जिसमें मालिकों को निर्माण की वैधता साबित करने का निर्देश दिया गया था। सुनवाई के बाद, नामित प्राधिकारी ने वाणिज्यिक निर्माण को अवैध घोषित कर दिया और 10 जुलाई को इमारत को ध्वस्त करने का आदेश पारित किया, जिसमें मालिकों को 25 जुलाई तक अनधिकृत हिस्सों को हटाने का निर्देश दिया गया। गौरतलब है कि 22 जून को इमारत की दूसरी मंजिल पर संचालित एक कार्यालय में आग लग गई, जिससे अंदर फंसे 15 लोगों की मौत हो गई। पांच अन्य लोग पाइप और तारों के माध्यम से नीचे उतरकर बाहर निकलने में सफल रहे। इस घटना ने इमारत और अग्नि सुरक्षा मानदंडों के कथित उल्लंघन की कई जांच शुरू कर दीं। पुलिस ने मामले में भवन मालिक वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला और एनीमेशन सेंटर के संचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि राज्य सरकार ने बिजली विभाग, अग्निशमन विभाग और एलडीए के चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया था।

69 हजार शिक्षक भर्ती विवादः मायावती के आवास पर पहुंचे अभ्यर्थी, नौकरी की मांग को लेकर प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। 69 हजार शिक्षक भर्ती से जुड़े अभ्यर्थियों का आंदोलन शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। नौकरी की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का एक समूह बीएसपी प्रमुख मायावती के आवास पहुंचा, जहां उन्होंने नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को उठाया और उनसे मुलाकात की मांग की। शिक्षकों ने मायावती से न्याय की गुहार लगाई है। प्रदर्शन के दौरान कई अभ्यर्थी सड़क पर बैठ गई। पुलिस ने उन्हें हटाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़ी रहीं। इसी बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ देर तक धक्का–मुक्की और नोकझोंक भी हुई। करीब 15 मिनट तक चली बातचीत और विरोध के बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे सभी अभ्यर्थियों को हिरासत लिया गया।

मायावती का नीट पेपर लीक विवाद पर बड़ा बयान, राजनीति नहीं, शिक्षा सुधार पर हो फोकस

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने नीट–यूजी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस गंभीर विषय पर हो रही राजनीतिक खींचतान के बीच शिक्षा व्यवस्था में सुधार का मूल उद्देश्य कहीं पीछे नहीं छूटना चाहिए। शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए अपने सिलसिलेवार पोस्ट में मायावती ने कहा कि नई दिल्ली के जंतर–मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बैनर तले चल रहे शांतिपूर्ण आंदोलन को लोगों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। उनके अनुसार, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ता राजनीतिक टकराव शिक्षा सुधार जैसे अहम मुद्दे को पीछे धकेल सकता है। मायावती ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच तेज राजनीतिक टकराव का माहौल बन गया है, जिससे शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार का वास्तविक मुद्दा पीछे छूटने का खतरा है। बसपा प्रमुख ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों में सड़क से संसद तक होड़ मची हुई है, जिससे सरकार और विपक्ष के बीच तनाव तथा टकराव की स्थिति और बढ़ रही है। मायावती ने आगे कहा कि इसका असर राज्यों तक भी दिखाई दे रहा है, इसलिए उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से सतर्क और सजग रहने की अपील की। मायावती ने कहा कि आंदोलन का पूरी तरह राजनीतिकरण होने और जंतर–मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई से हालात और अधिक तनावपूर्ण तथा गंभीर हो गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति के कारण संसद का मानसून सत्र अब तक सुचारु रूप से नहीं चल पाया है, जिससे जनहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार की जवाबदेही प्रभावित हुई है। बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सरकार आंदोलन से निपटने के उपायों पर अधिक ध्यान दे रही है, जबकि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी और समयबद्ध कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो आम लोगों में असंतोष और बढ़ सकता है।

हथियारबंद बदमाशों ने बंधक बनाकर व्यापारी को लूटा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार–शनिवार की बीच रात करीब 2 बजे घर के अंदर छुपे हथियार बंद बदमाशों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया। उन्होंने देर रात लॉकर तोड़ना शुरू किया। आवाज सुनकर परिवार के लोगों की नींद खुल गई। विरोध करने पर बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में परिवार के 3 सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बजरंग चौराहे अमराई गांव निवासी उमेश चंद्र (55) घर में ही परचून की दुकान चलाते हैं। पिछले 3 साल से पत्नी शांति देवी के साथ रह रहे हैं। 3 दिन पहले बेटी सीमा घर आई थी। शुक्रवार रात सभी सदस्य खाना खाकर सो गए। अचानक से तोड़फोड़ की आवाज आने लगी। जिसकी आवाज सुनकर बेटी सीमा की आंख खुल गई। वह देखने गई तभी बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया। बेटी की चीख सुनकर पिता दौड़ते पहुंचे। तभी घात लगाए बैठे बदमाश ने पीछे से उनके सिर पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ कई वार किए। जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिरे और बेहोश हो गए। पत्नी शांति देवी की भी आंख खुल चुकी थी। उन्होंने शोर मचाने की कोशिश की तभी बदमाश ने उन पर भी हमला कर दिया। वह भी गश खाकर गिर गई। करीब 10 मिनट बाद पत्नी शांति को हल्का होश आया तो वह घर से बाहर निकाल कर शोर मचाना शुरू किया। इस पर मोहल्लेवाले व आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। इसके बाद रहीम नगर में रहने वाले बेटे दीपक गुप्ता व पुलिस को सूचना दी गई। सूचना के करीब आधे घंटे बाद पुलिस पहुंची। इसके बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां तीनों का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। बेटे दीपक का कहना है घटना के बाद से सभी अस्पताल में हैं, लूट कितने की हुई इसका आकलन नहीं किया जा सका है। व्यापारी उमेश का घर बजरंग चौराहे से 100 मीटर आगे ऑन रोड है। इसके बावजूद बदमाशों ने इतनी बड़ी घटना को अंजाम दिया। वहीं पुलिस की गश्ती पर भी सवाल खड़े हुए हैं। सूचना के आधे घंटे बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले में पुलिस ने सभी गंभीर घायल को सरकारी अस्पताल की बजाय निजी अस्पताल में इलाज के लिए भेज दिया। इसके अलावा खुद ही डिटेल नोट करके चले गए न तो मौके से कोई फॉरेंसिक टीम पहुंची न ही डॉग स्क्वाड आया। यहां तक की उच्च अधिकारियों को भी जानकारी नहीं दी। मामले में पीड़ित परिवार का कहना है कि घर में कितने लोग घुसे थे। इसकी जानकारी नहीं है क्योंकि वह ताबड़तोड़ परिवार पर हमला कर रहे थे। हालांकि जब उमेश की पत्नी शांति देवी को होश आया तो उन्होंने पीछे के रास्ते दो बदमाशों को भागते देखा लेकिन वह घबराहट की वजह से बाहर की तरफ मदद के लिए भाग गई।

कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर याद करो कुर्बानी कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी द्वारा याद करो कुर्बानी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने की, जबकि संयोजन एवं संचालन एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन मनोज कुमार पांडे तथा राइफलमैन सुनील जंग के चित्रों पर प्राचार्या, शिक्षिकाओं, एनसीसी कैडेट्स एवं छात्राओं द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत कैडेट निधि वाजपेई एवं प्रीति कुमारी ने लखनऊ के वीर शहीद कैप्टन मनोज कुमार पांडे तथा राइफलमैन सुनील जंग के साहसपूर्ण एवं प्रेरणादायी जीवन–वृत्त पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कैडेट निकिता सिंह, सिद्धि वर्मा, मुस्कान साहू, शुभी सिंह तथा अनन्या यादव ने देशभक्ति गीतों एवं ओजपूर्ण कविताओं के माध्यम से वीर शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए छात्राओं को राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र का भविष्य है तथा समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से पालन करना ही सच्ची देशभक्ति है। उन्होंने युवाओं से शारीरिक एवं मानसिक रूप से सुदृढ़ बनने का आह्वान करते हुए कहा कि तभी वे विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल वीरों के अदम्य साहस और बलिदान का स्मरण करने का अवसर ही नहीं, बल्कि स्वयं से यह संकल्प लेने का भी दिवस है कि हम राष्ट्रहित, अनुशासन, सेवा और कर्तव्यनिष्ठा के उन आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करेंगे, जिन्हें हमारे वीर सैनिकों ने अपने अद्वितीय पराक्रम से स्थापित किया है।

पानी बरसा सात दिन

(कुण्डलिया)

मानव की करतूत से, टूटा जब विश्वास।
मौसम ने करवट लिया, बादल हुए उदास।
बादल हुए उदास, बरसते हैं मनमानी।
नदियाँ हुईं विशाल, परेशां हैं विज्ञानी।
सुन लो कहें प्रदीप, प्रकृति लाती है उत्सव।
तज अपना अभिमान, सुने बस उसकी मानव।।

पानी बरसा सात दिन, झूरा हुआ समाप्त।
चर्चा इस पर हो रही, हुआ किसे क्या प्राप्त।
हुआ किसे क्या प्राप्त, बाढ़ नदियों में आयी।
जंगल गाते गीत, खेत में खुशियाँ छायी।
सुन लो कहें प्रदीप, न समझो इसे कहानी।
काटा जिसने वृक्ष, हुआ है पानी पानी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भयहरण नाथ धाम में 20 वाँ सामाजिक सत्याग्रह आज

सावन मेला की सुव्यवस्था को दिया जायेगा अंतिम रूप, नदी के मुहाने का होगा निरीक्षण, बनेगी आगे की रणनीति

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में कब्जा मुक्ति व मनमानेपन से मुक्ति हेतु 20 वाँ सामाजिक सत्याग्रह आज 26 जुलाई को धाम के महासचिव व संयोजक समाज शेखर के नेतृत्व में होगा। इस अवसर पर बकुलाही नदी के मुहाने का निरीक्षण कर जिलाधिकारी महोदय को वस्तु स्थिति से अवगत कराके योजना तय होगी और अवरुद्ध कार्यों को व्यापक जनहित में कराये जाने की माँग होगी।

आगामी 8 अगस्त से 16 अगस्त तक चलने वाले शिव महापुराण व 17 अगस्त को होने वाले घुघुरी लोक उत्सव के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जायेगा।

आज जिलाधिकारी व एस पी महोदय ने भयहरण नाथ धाम विजिट कर सभी व्यवस्था का जायजा लिया और सुव्यस्था के आवश्यक निर्देश दिया। सत्याग्रहियों व अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल तथा कोषाध्यक्ष लाल जी सिंह व प्रबन्धन संस्थान के सदस्यों को भी जल्द समाधान का आश्वासन दिया है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं०- पी आर वाई जे-सिग-023-2026-27

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि० मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/समo/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

कार्य का विवरण : प्रयागराज मण्डल के तीन (03) स्टेशनों मनवारी, रसूलाबाद एवं मलवां पर लगे हुये मेधा मेक इलेक्ट्रानिक इन्टरलॉकिंग प्रणाली का तीन वर्ष के लिये समग्र वार्षिक अनुरक्षण अनुबन्ध।

निविदा नं. : 023	अनुमानित मूल्य : 8853533.28
बिड सिक्यूरिटी : 177100.00	निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.00
कार्य समापन की अवधि : छत्तीस माह	निविदा खुलने की तिथि : 19.08.2026

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप : निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिए। बैंक गारंटी जमा करते समय यह 2080 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।

निविदा खुलने का समय, तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा की वैधता : निविदा खुलने के 60 दिन तक।

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार : रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

1708/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं०: पीआरवाईजे-सिग-026-2026-27 — दिनांक 22.07.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 18.08.2026 को 12:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

कार्य का विवरण : (क) प्रयागराज में कोयल क्लब और लोको कॉलोनी में हॉलिडे होम का प्रावधान, (ख) सूबेदारगंज में स्पंदन क्लब का विस्तार, (ग) प्रयागराज में डीआरएम कार्यालय भवन और परिसर में सुधार, (घ) केंद्रीय अस्पताल, एनसीआर प्रयागराज में रैन बसेरा का प्रावधान, के संबंध में दूरसंचार का कार्य।

निविदा नं. : पीआरवाईजे-सिग-026-2026-27	अनुमानित मूल्य (₹) : 72,29,195/-
बिड सिक्योरिटी (₹) : 1,44,600/-	निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) : 0/-
कार्य समापन की अवधि : 12 माह	निविदा बंद होने की तिथि : 18.08.2026

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।

बयाने की राशि जमा करना एवं उसका रूप : निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्योरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्योरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्योरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्योरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।

निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा की वैधता : निविदा खुलने के 60 दिन तक।

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार : रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

उसी प्रकृति के कार्य के लिए न्यूनतम वांछनीय आधार : एसी और इन्स्टालिंग, टेस्टिंग एण्ड जाइन्टिंग आफ एसी अन्डर ग्राउन्ड टेलीकाम केबिल्स आर लेयिंग एण्ड सप्लाइंग ओ एफ सी आर आगमेन्टेशन आफ टेलीकाम फैसिलिटीज।

1700/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय........

नयी धड़कन जगाती तस्वीरें

पेपर लीक पर समय रहते कार्रवाई न करने और अपना दंभ न छोड़ने की बड़ी भारी कीमत नरेन्द्र मोदी और भाजपा को चुकानी पड़ सकती है, यह देश का मौजूदा माहौल बता रहा है। जंतर–मंतर पर 20 जुलाई को आंदोलनकारियों पर लाठियां बरसाना, आंसू गैस के गोले छोड़ना सरकार का गलत फैसला था और अब इसमें एक बड़ी साजिश भी दिखाई दे रही है कि पुलिस की वर्दी में आए गुंडों ने आंदोलनकारियों का दमन किया। बहुत सी तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, जिनमें नजर पुलिस की क्रूरता नजर आ रही है। अब मामला अदालत तक पहुंच चुका है। दिल्ली हाईकोर्ट में इस मामले में याचिका दाखिल की गई थी, जिस पर सुनवाई चीफ जस्टिस देवेन्द्र उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने की। अदालत ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को 4 सप्ताह के भीतर अपना हलफनामाध्जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। साथ ही घटना से जुड़े सभी सीसीटीवी फुटेज, वीडियो और अन्य रिकॉर्ड से छेड़छाड़ न करने और उन्हें पूरी तरह संरक्षित रखने को कहा गया है। इस मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को तय की गई है। लेकिन इससे पहले जनता की अदालत में नरेन्द्र मोदी के 12 सालों पर सुनवाई शुरु हो चुकी है। जंतर–मंतर से जो छवियां आ रही हैं, उनमें नजर आ रहा है कि मामला अब केवल धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में सुधार तक सीमित नहीं है। लोग हर उस बात पर शिकायत कर रहे हैं, जिनके कारण देश की दुर्दशा हुई है। हमारे पास जॉब नहीं है, आज भगा दो, कल फिर आएंगे, ऐसे पोस्टर्स, मेलोनी के हाथ के बने समोसे ले लो जैसे तंज, यह कहना कि जब राघव चड्ढा बिक सकता है तो फिर मीडिया तो मीडिया है, हनुमान चालीसा बजा कर उस पर थिरकना, उसमें मुस्लिमों का भी साथ आना, हाथ में तिरंगा लेकर चल रहे युवक को पुलिस ने उठा कर पटका तो उसने फौरन उठकर तिरंगा लहराया, ऐसे हजारों–हजार दृश्य भाजपा के खोखले राष्ट्रवाद, हिंदू–मुसलमान जैसे एजेंडे को मटियामेट कर रहे हैं। मोदी की विदेश यात्राओं से लेकर विपक्षी दलों के लोगों को तोड़ने तक सारी रणनीतियों का जवाब अब जनता अपने तरीके से दे रही है। नयी पीढ़ी की रचनात्मकता देखकर भाजपा आईटी सेल अब सकते में है कि किस तरह मोदी विरोधी नारों का जवाब दे। जंतर–मंतर पर अब कॉकरोच जनता पार्टी तक भी बात सीमित नहीं रह गई है। अभिजित दिपके तो गुरुवार को बीमारी का हवाला देकर जंतर–मंतर से अनुपस्थित रहने की बात कह चुके हैं और इसके लिए माफी भी मांग ली, इस बीच सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने राहुल गांधी की आलोचना इस बात के लिए की कि वे प्रधानमंत्री आवास के सामने धरना देने क्यों गए। उन्होंने इसे अगंभीर काम बताया। पहले सोनम वांगचुक खुद शिकायत कर चुके हैं कि राहुल जंतर–मंतर नहीं आए। आम आदमी पार्टी भी लगातार राहुल गांधी पर हमलावर है। इन बातों से यह संदेह और पुख्ता होता है कि राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज आंदोलन जो छेड़ा था, उससे सरकार को तकलीफ हो रही थी और विपक्ष को कमजोर करने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी को आंदोलन करने दिया गया। इस आंदोलन के कारण ही बड़ी संख्या में लोग जंतर–मंतर पर जुटे भी, लेकिन अब आंदोलन की बागडोर पूरी तरह स्वतरूस्फूर्त उमड़ी जनता के हाथों में ही दिख रही है। मंच पर कौन से राजनैतिक दल के नेता या कौन सी मशहूर हस्ती पहुंच रही है, दिपके कहां हैं, ये सारी बातें अब आंदोलनकारियों के लिए मायने नहीं रख रहीं। वे व्यवस्था में पसर चुकी गंदगी को दूर करने के लिए खुद ही आगे आ रहे हैं और पर्याप्त अनुशासन बनाए हुए हैं। बेशक कुछ असामाजिक तत्व इनके बीच पहुंच कर माहौल बिगाड़ने की फिराक में हैं, लेकिन गनीमत है कि सब कुछ नियंत्रण में है, यही भारतीय जनता का कमाल है। जहां तक राहुल गांधी का सवाल है, तो उन्होंने एकदम साफ कर दिया है कि छात्रों को इंसाफ जब तक नहीं मिलेगा, वो चुप नहीं बैठेंगे। गुरुवार को संसद में विपक्षी सांसदों ने एकजुटता के साथ मोदी सरकार के खिलाफ, धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर नारेबाजी की। विपक्ष से घबराई सरकार अब अपने बचाव में उसे ही दोषी ठहरा रही है। धर्मेन्द्र प्रधान का ट्वीट, जे पी नड्डा की प्रेस कांफ्रेंस सब में राहुल गांधी पर आरोप लगाए गए हैं कि वे राजनीति कर रहे हैं। पवन खेड़ा ने इसका जवाब दिया है कि जब वे धर्म का राजनीतिकरण कर सकते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में सुधार के मुद्दे का राजनीतिकरण कैसे नहीं होगा। इधर नरेन्द्र मोदी ने भी ट्वीट में लिखा कि पेपर लीक के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा। लेकिन इस ऐलान में मोदी ने बहुत देर कर दी। यह बात अगर वो मई में तब कहते जब पेपर लीक की खबरें आई थीं, तब तो उनके इरादे नेक माने जाते।

खतरे में दिल: जागरूकता शुरुआती उपचार नियंत्रण में मददगार

–राजेश माहेश्वरी

अब वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि हृदय रोग व्यक्ति को बुढ़ापे में ही गिरफ्त में लेता है। हाल के दिनों में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं कि उत्तर भारत में बड़ी संख्या में युवा दिल की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। निश्चय ही यह स्थिति इस क्षेत्र में बीमारियों के बदलते पैटर्न की एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। दरअसल, पंजाब व हरियाणा के युवाओं के बाबत आई हालिया रिपोर्ट ने इस गंभीर संकट की हकीकत को उजागर किया है। रिपोर्ट बताती है कि पंजाब के युवाओं को दिल के बेहतर इलाज की जरूरत लगातार बढ़ रही है। दूसरी तरफ हरियाणा में बढ़ते टेली–ईसीजी नेटवर्क ने यह दर्शाया है कि शुरुआती चरण में रोग का पता चलने से कैसे अधिक से अधिक जानें बचायी जा सकती हैं। निश्चय ही ये स्थितियां बताती हैं कि उत्तर भारत में बढ़ती इस चुनौती के मुकाबले के लिये तुरंत गंभीर प्रयासों की जरूरत है। दरअसल, हृदय रोग के इस संकट के मूल में हमारी जीवनशैली में आ रहे बदलावों की बड़ी भूमिका है। जिसमें शारीरिक सक्रियता में आई

लगातार कमी का भी बड़ा रोल है। वहीं कसरत व खेल गतिविधियों में कमी, प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन, तंबाकू व नशीले पदार्थों की लत, व्यक्ति के जीवन में लंबे समय तक रहने वाला तनाव, पर्याप्त नींद न लेना और कम उम्र में ही मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं से मिलकर एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो जाती है। आज बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की है जो लंबी सिटिंग में पढ़ाई करते हैं, कार्यस्थल पर लगातार काम करते हैं व स्क्रीन पर लगातार घंटों बिताते हैं। वे शारीरिक सक्रियता, कसरत,योग व मनोरंजन के लिये बहुत कम समय दे पाते हैं। वहीं पढ़ाई का दबाव, बेरोजगारी का तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण होने वाला मानसिक तनाव दिल की बीमारियों के खतरे को और अधिक बढ़ा देता है। लेकिन आम लोग इस तनाव व उच्च रक्तचाप आदि को गंभीरता से नहीं लेते। विडंबना यह है कि हम उन तमाम शुरुआती संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो दिल की बीमारियों की आहट देते हैं। इन लक्षणों में शामिल सांस का फूलना, अत्यधिक थकान व सीने का दर्द तक की अनदेखी कर दी जाती है। समाज में आज भी यह धारणा बनी हुई है कि दिल की बीमारी तो बुजुर्गों का रोग होता है। सही मायने में आज समाज में उपचार से पहले व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। ऐसे में अस्पतालों के जरिये पब्लिक हेल्थ सिस्टम को इसमें बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर रक्तचाप, रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल की नियमित जांच को स्वास्थ्य कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। साथ ही जन–जागरण अभियान के माध्यम से युवाओं को शुरुआती लक्षणों को पहचानने और चिकित्सा मदद लेने के बारे में प्रेरित किया जाना चाहिए। सही मायने में पौष्टिक भोजन लेने, शारीरिक सक्रियता व मानसिक स्वास्थ्य को भी नीतिगत स्तर पर उतनी प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जितनी देश में संक्रामक बीमारियों को दी जाती है। इस अभियान में अब तकनीक व कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया जा सकता है। टेलीमेडिसिन के जरिये दूर से ईसीजी कराने और बेहतर आपातकालीन रेफरल सिस्टम के जरिये गांवों और छोटे कस्बों तक विशेषज्ञ देखभाल की सुविधा पहुंचाई जा सकती है। जिसके जरिये यह सुनिश्चित किया जाए कि इलाज संवेदनशील 'गोल्डन आवर' के दौरान ही शुरू हो जाए। ऐसी अभिनव पहल हमारी बचाव की रणनीति का हिस्सा बननी चाहिए। सही मायने में हृदय रोग के खिलाफ लड़ाई 'पहले हार्ट अटैक' से काफी पहले शुरू हो जानी बेहतर है। हाल के वर्षों में देश में योग व प्राकृतिक चिकित्सा से उपचार के जरिये सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। योग जहां हमारे शारीरिक स्वास्थ्य में मददगार है, वहीं मानसिक तनाव घटाने में बेहद कारगर साबित हुआ है। दिल्ली स्थिति एम्स व पीजीआईएमआर में बाकायदा योग पर व्यापक शोधा कार्य हुआ है और उसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। दरअसल, योग के जरिये हम संयमित रहते हैं और जीवनशैली से जुड़े तमाम रोगों से मुक्ति पा सकते हैं।

भारत की युवाशक्ति का सबसे पवित्र तीर्थ!

संदीप सिंह

जनपथ मेट्रो से टॉलस्टाय मार्ग तक, पूरी जंतर मंतर रोड, फिर कनाट प्लेस के आउटसर सर्किल के रीगल सिनेमा, पिंड बलूची प्वाइंट से संसद मार्ग तक सड़क खचाखच भरी है। आसपास के दो किलोमीटर इलाके में युवा चींटियों की तरह बिखरे हुए हैं। पूरे इलाके में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। कनॉट प्लेस में भी नेट बंद है। जंतर मंतर पर अब कुछ ऐसा हो रहा है जो मुल्कों के जीवन में यदाकदा होता है। एक पूरी पीढ़ी की राजनीतिक और नैतिक दीक्षा हो रही है। एक ऐसी फौज तैयार हो रही है जिसकी सामूहिक शक्ति के सामने बड़े–बड़े दलों की तथाकथित चुनावी मशीन ताश के पत्तों की तरह भहरा जाएगी। जो काम पिछले दस साल में नहीं हुआ था वह पिछले एक हफ्ते में हो गया। भारत के युवा ने अपनी आवाज सुना दी है। उसने अपना मैसेज दे दिया है, उसे ये व्यवस्था नहीं चाहिए उसे बदलाव चाहिए। आगे क्या होगा, नहीं होगा यह अब आपके ऊपर है– अब यह नीट और पेपर लीक को लेकर चल रहा एक प्रदर्शन मात्र नहीं रह गया है। वह मुद्दा है मगर बात इसके आगे चली गई है। अब यह युवा गुस्से, युवा बेबसी, उनकी बेरोजगारी, उनकी चिढ़, उनके साहस, उनके अल्हड़पन, उनकी सामूहिकता के साथ–साथ उनकी मस्ती का बहुत समझदार और शांत दावानल बनता जा रहा है। अब यह भारत की युवाशक्ति का सेलिब्रेशन है। जंतर मंतर आज भारत की युवा शक्ति का सबसे पवित्र तीर्थ है। इस समय यह संसार की सबसे सुंदर जगह है। कल्पना कीजिए जैसे किसी ज्वालामुखी का मुंह खुल गया हो और लावा सड़कों पर फैलता जा रहा है। इस लावे की गर्मी हमारे लोकतंत्र पर जमी हुई बर्फ को पिघलाती जा रही है। मगर याद रखिए, यह विध्वंस का नहीं निर्माण का ज्वालामुखी है। यह शरीर को जला नहीं रहा, मन को शांति दे रहा है। 20 जुलाई को युवा भीड़ का आंकड़ा लाख का पैमाना छू रहा था। दमन के बाद भी हजारों की भीड़ मैदान छोड़ने का नाम नहीं ले रही है। युवा भीड़ का 90प्रतिशत से अधिक हिस्सा जीवन में पहली बार जंतर मंतर या किसी आंदोलन में आया था। मगर इनमें डर का नामोनिशान नहीं था। पुलिस की लाख पिटाई के बावजूद वे सागर की लहरों की भांति बार–बार लौटकर प्रदर्शन करना शुरू कर दे रहे थे। आंदोलन फीका पड़ने की बजाय चमकता जा रहा है। हजारों नए छात्र अपना बस्ता उठाये देश के कोने–कोने से आते जा रहे हैं। चींटियों की तरह रास्तों पर चले आ रहे बच्चों का तांता टूटने का नाम नहीं ले रहा। मुझे लग रहा है आज रात होते–होते तक यह युवा सैलाब लाख का आंकड़ा पार कर जाएगा। मुझे चिंता भी हो रही है। इसका क्या होगा। अब ये आंदोलन किधर जाएगा। अब यह न कॉकरोच कोर टीम के कंट्रोल में हैं न किसी दल के। शायद अब यह सोनम के कंट्रोल में भी नहीं। हालांकि मेरा मानना है कि सोनम की नैतिक अपील इन युवाओं में सबसे ज्यादा है। जिन लोगों ने सोचा था कि 20 जुलाई के बाद यह आंदोलन समेट लिया जाएगा, शायद इनके कुछ नेताओं को भी ऐसा कुछ अंदा□ा रहा हो– यहां मामला हाथ से बाहर चला गया है। मिजार्पुर, इटावा, जयपुर, इंदौर, बैंगलोर, प्रतापगढ़, गोरखपुर, सीतामढ़ी, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, दरभंगा, पटना, आरा–अजमेर, बीकानेर, गढ़वाल और जाने कहां– कहां से बच्चे चले आ रहे हैं। अब यह जंगल की आग है। बुझाए न बुझेगी। यह व्यवस्था के कूड़े कचरे की गंध को जला देगी। अब यह किसी को लेकर जाएगी। या अपने खून में बुझेगी। जनपथ मेट्रो से टॉलस्टाय मार्ग तक, पूरी जंतर मंतर रोड, फिर कनाट प्लेस के आउटसर सर्किल के रीगल सिनेमा, पिंड बलूची प्वाइंट से संसद मार्ग तक सड़क खचाखच भरी है। आसपास के दो किलोमीटर इलाके में युवा चींटियों की तरह बिखरे हुए हैं। पूरे इलाके में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। कनॉट प्लेस में भी नेट बंद है। दिल्ली पुलिस और आरएएफ के सिपाही बैरिकेड लगाते–लगाते थक जा रहे हैं मगर भीड़ में दूध का उबाल आता जा रहा है। अंदर सांस लेना मुश्किल है। बच्चे मुख्य एरिया में जाते हैं, कुछ देर वहां रहते हैं, फिर बाहर आकर सांस लेते हैं फिर अंदर चले जाते हैं। लगातार कुछ लोग वापस अपने घरों या ठिकानों को लौट रहे हैं मगर जाने वालों से दस गुना ज्यादा नए बच्चे चले आ रहे हैं। आज से सरकार आने–जाने के रास्तों पर सख्ती और बैरिकेड बढ़ाती जा रही है। वो चाहते हैं यहां युवा ना आयें। आसपास के 16 मेट्रो स्टेशन बंद हैं। आरएएफ और सीआरपीएफ की बीस कंपनियां आज और बुला ली गईं हैं। जंतर मंतर के आसपास का इलाका चोक हो रहा है। शायद जानबूझ कर चोक किया जा रहा है। शायद सरकार चाहती है कि युवा रियेक्ट करें। मगर स्वयं से ही ऐसी अनुशासित, संयमित और सकारात्मक युवा जमात मैंने अपने जीवन में नहीं देखी। राजनीतिक कार्यकर्ताओं को आकर इनको देखना चाहिए, प्रेरणा लेनी चाहिए और सीखना चाहिए। ये युवाशक्ति एक अद्भुत स्व संयोजन की मशीन बन चुकी है। किसी ज़्यादा गुस्सैल लड़के को सब तुरंत समझा दे रहे हैं। आंदोलन का प्राण और की सबसे साहसी शक्ति लड़कियां हैं। वे ज़्यादा बोल नहीं रहीं। मगर हर काम को चुपचाप अंजाम दे रही हैं। हमारे समाज की तरह यहां भी उनकी मौन शक्ति, संयम और साहस पूरे परिवेश को बांधे हुए हैं। वे इस आंदोलन की सबसे गंभीर शक्ति हैं। पुलिस के आक्रामक होने पर रियेक्ट करने के बजाय या भागने के बजाय युवा हाथ जोड़कर प्रार्थना कर ले रहे हैं, फूल दे रहे हैं, राष्ट्रगान गाने लगते हैं। असामाजिक तत्वों को देखते ही पकड़कर मुख्य स्थल से बाहर निकाल दे रहे हैं। मंच से किसी को कोई आवाज नहीं आती। मंच के आगे बैठे तीन–चार हजार बच्चों को ही वहां हो रहे भाषण और निर्देश सुनाई देते हैं। अस्सी प्रतिशत से अधिक भीड़ स्वप्रेरणा से संयोजन और प्रबंधन का काम हाथ में ले चुकी है।

यह सिर्फ युवा आंदोलन नहीं है अब यह युवा रचनात्मकता का विस्फोट है। इतनी सुंदर ग्रैफिटी, इतने चुटीले नारे, व्यंग्य, मारक वन लाइनर्स इस समय देश में किसी और के पास शायद नहीं हैं। 20 जुलाई के बाद एक बहुत सुंदर चीज हुई है। अब इसे समाज ने अपनी हथेली पर बैठा लिया है। 20 जुलाई को जो बर्बरता युवाओं पर हुई शायद उसने समाज को झकझोर दिया। 20 जुलाई की रात हजारों बच्चे बिना खाना–पानी के, बारिश में भीगते रहे, सैंकड़ों अस्पतालों में फंसे रहे, 200 से ज्यादा एमएलसी हुईं, दर्जनों के हाथ–पैर टूटे– युवाओं पर की गई सरकार की बरजोरी ने जैसे समाज को नींद से जगा दिया हो। जैसे किसी अपराधबोध से त्रस्त होकर लोग घरों से बाहर निकल आये हों और युवाओं की मदद का सामान लेकर निकल पड़ें हों। हर घंटे तकध्रीबन सैंकड़ों डिलीवरी वर्कर्स खाने के ऑर्डर लेकर आ रहे हैं। ये ऑर्डर उन्हें चंडीगढ़, मुंबई, लखनऊ, कानपुर, बेंगलुरु, जयपुर और छोटे–छोटे शहरों से आ रहे हैं। 100–100 बिरयानी या पिज्जे के ऑर्डर के बीच की 80 रुपएकी एक सिंगल बिरयानी या एक सिंगल पराठा का ऑर्डर भी कोई भेज रहा है। शायद उसकी उतनी ही कैपेसिटी हो। ऐसा लग रहा है कि ऑर्डर करने की कोई होड़ मची है कि कहीं मैं छूट न जाऊं। एनडीएफसी ने दो दिनों से कूड़ा नहीं उठाया है। मुख्य एरिया में इतनी बदबू और इतना सफोकेशन है कि लोग उल्टियां कर दे रहे हैं। मगर जगह नहीं छोड़ रहे हैं। गर्मी और उमस से हर बच्चे का चेहरा लाल है, कपड़े पसीने में लबालब हैं और माथे से पसीना चू रहा है। इसी भीड़ में सलोने और सुंदर चेहरों वाली बच्चियां और लड़के मुंह पर मास्क लगाए हाथ में बड़ी सी गारबेज पन्नी लिए कूड़ा इकत्र्हा कर रहे हैं।

विरोध और असहमति के दमन से कमजोर पड़ता लोकतंत्र

राजेश पांडेय

सरकार ने असहमति और असंतोष की आवाजों को दबाने की सुनियोजित मुहिम चला रखी है। निश्चित रूप से इसका गवर्नेंस पर असर पड़ रहा होगा। जब मंत्री अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह नहीं करते हैं तो इसका सीधा संदेश नीचे तक जाता है। अफसरशाही अपने हिसाब से काम करने लगती है। उसे किसी तरह की कार्रवाई का भय नहीं रहता है। पिछले कुछ दिनों से देश की राजधानी दिल्ली का घटनाक्रम और उसकी कुछ तस्वीरों ने निराशा और असंतोष का भाव पैदा किया है। आंदोलनकारी छात्रों पर पुलिस के बेरहम लाठीचार्ज से लोग विचलित हुए हैं। उसके बाद प्रधानमंत्री आवास के पास धरना दे रहे विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ धक्का–मुक्की और उन्हें कुछ समय के लिए हिरासत लेने की घटना भी अप्रत्याशित है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की अगुआई में छात्र 20 जून से जंतर–मंतर पर धरना दे रहे हैं। उनके समर्थन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगुचक 28 जून से अनशनरत हैं। केंद्र की एनडीए सरकार ने छात्रों और वांगचुक से बातचीत की पहल देर से की है। नीट पेपर लीक के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे छात्रों का आंदोलन अब तक शांतिपूर्ण रहा है। लिहाजा, उनके खिलाफ जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग समझ से परे है। छात्रों की मांग के समर्थन में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस पर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी का आक्रामक रूख विरोध के दमन और तिरस्कार की रणनीति का हिस्सा है। छात्रों के मुद्दे का संबंध उनके भविष्य से जुड़ा है। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। इसलिए पेपर लीक ने युवाओं को ज्यादा उद्वेलित किया है। किसी परीक्षा में बैठ रहे छात्रों की मानसिक हालत का अंदाजा लगाइए जब उन्हें पता लगता है कि वे जिस परीक्षा के लिए दिन–रात एक कर रहे हैं, उसका पेपर तो पहले ही लीक हो चुका है। पिछले कुछ वर्षों से बड़ी संख्या में परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी का गठन प्रतियोगी परीक्षाओं को साफ–सुथरा और सक्षम बनाने के उद्देश्य से किया गया है। लेकिन नतीजे उलटे निकले हैं। एजेंसी पेपर लीक नहीं रोक पाई है। कुछ मामूली लोगों के खिलाफ कार्रवाई के अलावा सिस्टम में बड़े सुधार के प्रयास सामने नहीं आए हैं। यह उच्च पदों पर आसीन लोगों की जवाबदेही तय नहीं करने का नतीजा है। 12 साल में पहला मौका है जब दिल्ली में हजारों युवाओं का कूच हुआ है। वैसे, मोदी सरकार के खिलाफ दो बड़े आंदोलन हुए हैं। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में दिसंबर 2019 में शुरु हुआ धरना मार्च 2020 तक चला था। शाहीन बाग, दिल्ली में मुस्लिम महिलाओं का धरना दुनियाभर में चर्चित हुआ था। कोविड–19 लॉकडाउन के कारण आंदोलन पर परदा गिर गया। 2020 में कृषि सुधारों के नाम पर लाए गए तीन कानूनों के विरोध में किसानों ने दिल्ली की सीमाओं पर लगभग एक साल तक आंदोलन छेड़ा था। विरोध को तरजीह न देने की नीति के तहत सरकार चुपचाप बैठी रही। उसने आंदोलन को बेअसर करने के कई तरीके आजमाए थे। किसान एक बड़ा वोट बैंक है। इसलिए सरकार को मजबूर होकर तीनों कानून वापस लेने पड़े थे।उछात्रों के मौजूदा आंदोलन ने 2011–12 के अन्ना आंदोलन की याद दिलाई है। अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अनशन किया था। उनके समर्थन में अरविंद केजरीवाल, किरण बेदी, प्रशांतभूषण, योगेंद्र यादव और कई एक्टिविस्ट, फिल्म स्टार सामने आए थे। योग गुरू बाबा रामदेव और आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर भी सक्रिय रहे। आंदोलन लंबा चला। उसमें देश के कई राज्यों से लोग जुटे थे। कई दूसरे शहरों में लोगों ने विरोध जताया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने आंदोलन को सहारा दिया था। वह परदे के पीछे सक्रिय थी। उस वक्त प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने आंदोलनकारियों से बातचीत के लिए वरिष्ठ मंत्री प्रणब मुखर्जी की अगुआई में मंत्रियों की समिति बनाई। समिति ने धरना स्थल पर जाकर आंदोलनकारियों से बातचीत की थी। अन्ना आंदोलन से सबसे अधिक फायदा भाजपा को मिला है। वह 2014 में स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आ गई। अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी बनाई। उसने 2015 में दिल्ली विधानसभा की 70 में से 67 सीटें जीतकर सिंहासन की कमान संभाली थी। 2011–12 और मौजूदा राजनीतिक स्थितियों में काफी अंतर आ चुका है। उस दौर में सत्ता के प्रमुख स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका काफी हद तक जीवंत और स्वतंत्र थे। लोकतंत्र का चौथा खंभा मीडिया आजादी से काम करता था। इन दिनों संसद और अधिकतर विधानसभाओं में बहस का दायरा सिमट रहा है। संसद में विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों और विषयों पर अक्सर बहस की अनुमति नहीं मिलती है। महत्वपूर्ण विधेयक चर्चा के बिना कानून बन जाते हैं।

संसदीय नियमों की आड़ में बहस पर अंकुश लगा दिया गया है। कार्यपालिका तो पूरी तरह नतमस्तक है। न्यायपालिका की स्थिति भी उम्मीदें नहीं जगाती है। कई अहम मसलों पर वह सरकार के पक्ष में रहती है। लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका विपक्ष के पूरक जैसी होती है। वह शासकों से जवाब मांगता है, कानून का शासन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। याद कीजिए अन्ना आंदोलन को किस तरह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अखबारों का समर्थन मिला था। टीवी चौनलों पर आंदोलन का लाइव प्रसारण चलता था। आए दिन सरकार के खिलाफ सनसनीखेज भंडाफोड़ होते थे। आरोपों के सीरियल जैसे चलते थे। आज देखिए अखबार, टीवी चौनल और डिजिटल मीडिया विपक्ष की आवाज को अहमियत नहीं देते हैं। उलटे मीडिया का एक हिस्सा विपक्ष के पीछे पड़ा रहता है। सरकार की खामियों को सामने लाने की बजाय वह विपक्ष को निशाना बनाता है। यह आश्चर्यजनक बदलाव पहले नहीं देखा गया था। इसके पीछे प्रलोभन के अलावा सरकारी कार्रवाई के डर की भूमिका हो सकती है। लोकतंत्र के लिए ऐसी स्थिति चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत में सिर्फ इमरजेंसी के दौरान मीडिया दमन का शिकार हुआ था। उस वक्त सेंसरशिप लागू थी। कई पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया था। इन दिनों सरकार के खिलाफ उठने वाली आवाजों को मीडिया में अपेक्षित जगह नहीं मिलती है। 2015 से मीडिया के बड़े हिस्से ने सरकार के सामने जैसे समर्पण कर रखा है। प्रधानमंत्री के लगभग हर भाषण का लाइव प्रसारण होने लगा है। पत्रकारों के खिलाफ हिंसा में बढ़ोतरी, मीडिया के स्वामित्व का केंद्रीकरण, उसके एक हिस्से का राजनीतिकरण और सिविल सोसायटी पर दबाव की वजह से ऐसी स्थिति बनी है। सरकार के लिए असुविधाजनक संस्थानों को कुछ पूंजीपतियों ने खरीद लिया है। 2024 में भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के कारण मीडिया के स्वर में थोड़ा बदलाव आया है।

‘लोग सिर्फ ग्लैमर देखते हैं’ अनिता हसनंदानी ने साझा की करियर और टीवी की दुनिया से जुड़ी बातें

करियर में आए उतार–चढ़ाव के दौरान अवसाद से जूझने से लेकर मातृत्व के बाद करियर को फिर से शुरू करने तकय अनीता हसनंदानी ने बेटे आरव से दूर रहने, श्छोड़ियां चली गांवश में काम करने और जीवन के बारे में खुलकर बात की – विशेष हमारे पर का पालन करें करियर में आए उतार–चढ़ाव के दौरान अवसाद से जूझने से लेकर मातृत्व के बाद करियर को फिर से शुरू करने तकय अनीता हसनंदानी ने बेटे आरव से दूर रहने, श्छोड़ियां चली गांवश में काम करने और जीवन के बारे में खुलकर बात की – विशेष करियर में आए उतार–चढ़ाव के दौरान अवसाद से जूझने से लेकर मातृत्व के बाद करियर को फिर से शुरू करने तकय अनीता हसनंदानी ने बेटे आरव से दूर रहने, श्छोड़ियां चली गांवश में काम करने और जीवन के बारे में खुलकर बात की – विशेष ये है मोहब्बतें फेम अनीता हसनंदानी, जिन्होंने अपने विविध किरदारों से दर्शकों का मनोरंजन किया है, जल्द ही एक रियलिटी शो, श्छोड़ियां चली गांवश में नजर आएंगी। इस शो में 11 सफल शहरी महिलाएं एक साथ आएंगी और 60 दिनों से अधिक समय तक एक गांव के माहौल में रहेंगी, अपने आराम, सुख–सुविधाओं, गैजेट्स और आधुनिक उपकरणों से दूर। टाइम्स ऑफ इंडिया टीवी के साथ एक विशेष बातचीत में, अनीता हसनंदानी ने बताया कि उन्होंने एक ऐसे रियलिटी शो में भाग लेने का फैसला क्यों किया जो उन्हें घर, आराम और सबसे महत्वपूर्ण बात, उनके बेटे आरव से दूर ले जाता है। अभिनेत्री ने कहा, ष्मुझे पता है कि मैं और अधिक परिपक्व, अधिक समझदार और उम्मीद है कि अधिक संतुष्ट होकर लौटूंगी।ष (फोटोरू इंस्टाग्राम) इस प्रोजेक्ट के लिए अपने बेटे से दूर रहने के बारे में अनीता ने खुलकर बात की। आरव को पीछे छोड़ना बहुत मुश्किल था। यह मेरे लिए सबसे कठिन कामों में से एक था। अपने चार साल के बेटे से दूर जाना आसान नहीं था। लेकिन हर माँ को अपने जुनून को पूरा करने का हक है। मेरे पति रोहित सब कुछ संभाल रहे हैं, और मेरा पूरा परिवार मदद के लिए मौजूद है, मेरी सास गोवा से आई हैं और मेरी बहन भी आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठा रही है।अनीता को खाना बनाना नहीं आता, इस बारे में उनकी राय। वह कहती हैं, ”मुझे खाना बनाना पसंद नहीं है, लेकिन शायद मैं वापस आकर कहूँ कि मुझे यह बहुत पसंद आया।“ शो के ग्रामीण परिवेश के बारे में बात करते हुए, जहाँ प्रतियोगी आधुनिक सुख–सुविधाओं के बिना रहते हैं, वह कहती हैं, ”मैंने पहले कभी चूल्हे पर काम नहीं किया है। मुझे खाना बनाना भी ज्यादा पसंद नहीं है। लेकिन 43 साल की उम्र में, मैं कुछ नया सीखने के लिए उत्साहित हूँ। यह शो मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर निकालेगा।“ माँ बनने से सब कुछ बदल गया, यहाँ तक कि खाने के साथ मेरा रिश्ता भी। ”पहले खाना बनाना मुझे तनाव देता था। लेकिन अब मैं इसे आरव से जोड़ती हूँ। उसे हमारी नैनी की बनाई हुई एक खास चिकन डिश बहुत पसंद है। अब मैं सिर्फ उसके लिए खाना बनाने की कोशिश करती हूँ, भले ही वह हमेशा परफेक्ट न बने।“ अपने परिवार को अलग रहने के समय के लिए तैयार करना वह बताती हैं, ष्मैंने अपने बेटे आरव को जाने से दो हफ्ते पहले से ही मानसिक रूप से तैयार करना शुरू कर दिया था। मैंने उसे हर दिन धीरे–धीरे समझाया, ताकि उसे अचानक का एहसास न हो। रोहित भी खुद को तैयार कर रहा है। यह हम सबके लिए मुश्किल है, लेकिन मुझे पता है कि यह जरूरी है। मुझे उम्मीद है कि जब मुझे एहसास होगा कि आरव मेरे आस–पास नहीं है, तो मैं घबराऊंगी नहीं। मैंने 16 साल की उम्र से काम किया है। काम मेरे खून में है। लेकिन आरव से दूर रहना मेरे लिए नया अनुभव है। मैं घबराई हुई, डरी हुई और भावुक हूं। लेकिन यह मेरे लिए एक तरह से व्यक्तिगत वापसी भी है। लोग मेरा एक ऐसा रूप देखेंगे जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा होगा।ष मातृत्व खूबसूरत है, लेकिन इसने दुनिया का मेरे प्रति नजरिया बदल दिया। लोग कहते हैं कि बच्चे के बाद काम पर तुरंत वापसी की जा सकती है, लेकिन ऐसा नहीं है। आपको नए सिरे से शुरुआत करनी पड़ती है। इंडस्ट्री आपके साथ पहले जैसा व्यवहार नहीं करती। मुझे लोगों को बताना पड़ा कि मैं तैयार हूं, मैं फिर से काम करना चाहती हूं, मुझे रोमांचक भूमिकाएं चाहिए।उद्योग में बदलाव आ रहा है, लेकिन दबाव अभी भी बना हुआ है। आजकल सब एक जैसे दिखते हैं। पहले अभिनेताओं की अपनी अलग पहचान होती थी। अब, खासकर सोशल मीडिया के दौर में, बहुत प्रतिस्पर्धा है। प्रतिभा से ज्यादा फॉलोअर्स मायने रखते हैं। यह अन्यायपूर्ण लगता है, लेकिन मुझे विश्वास है कि यह हमेशा नहीं रहेगा। मैंने फिल्मों में भले ही कोई खास मुकाम हासिल न किया हो, लेकिन टीवी ने मुझे पहचान दिलाई है। जीवन को देखने के दो तरीके हैं, एक यह सोचना कि मैं और क्या हासिल कर सकता था, और दूसरा यह सराहना करना कि मैंने जहां से शुरुआत की थी, वहां से मैं कितनी दूर आ गया हूँ। मैं एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से आता हूँ, और मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं एक अभिनेता बनूँगा। इसलिए जब मैं इस बारे में सोचता हूँ, तो मुझे अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है। मेरी फिल्में भले ही बहुत बड़ी हिट न रहीं हों, लेकिन मेरा एक गाना बहुत सफल हुआ। फिल्मों में भले ही मैंने अपनी अलग पहचान न बनाई हो, लेकिन टेलीविजन ने मुझे पहचान और पुरस्कार दिलाए हैं। (फोटोरू इंस्टाग्राम) मुझे कई असफलताओं का सामना करना पड़ा है, लेकिन 43 साल की उम्र में भी मुझे अच्छा काम मिल रहा है। जी हां, मैंने कई असफलताओं का सामना किया है, लेकिन 43 साल की उम्र में भी मुझे अच्छा काम मिल रहा है और इस तरह के शो का हिस्सा बनने का मौका मिल रहा है। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे जीवन में कई बार नए सिरे से शुरुआत करने का मौका मिला, चाहे वह फिल्मों से टेलीविजन में कदम रखना हो या मां बनने के लिए ब्रेक लेना और फिर अपने करियर में वापसी करना हो।करियर के उतार–चढ़ाव के दौरान अवसाद से जूझने के बारे में निश्चित रूप से, मैं उस दौर से और भी मजबूत होकर निकली हूँ। काश मैं अपने छोटेपन को बता पाती कि इतना तनाव मत लो। वो उम्र जिंदगी का आनंद लेने की थी, लेकिन जब मेरी फिल्में नहीं चलीं तो मैं अकेले में रोती थी। लेकिन मैंने सीख लिया है कि काम आता–जाता रहता है, पर शांति ज्यादा जरूरी है।करियर के उतार–चढ़ाव के दौरान अवसाद से जूझने के बारे में निश्चित रूप से, मैं उस दौर से और भी मजबूत होकर निकली हूँ। काश मैं अपने छोटेपन को बता पाती कि इतना तनाव मत लो। वो उम्र जिंदगी का आनंद लेने की थी, लेकिन जब मेरी फिल्में नहीं चलीं तो मैं अकेले में रोती थी।

विराट कर्णा–नभा नटेश स्टारर नागबंधम इस जुलाई प्राइम वीडियो पर देगी दस्तक

नागबंधम का निर्देशन अभिषेक नामा ने किया है, जबकि इसे एनआईके स्टूडियोज के बैनर तले किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता ने प्रोड्यूस किया है। इस पौराणिक फैंटेसी एडवेंचर फिल्म में विराट कर्णा, नभा नटेऐश्वर्या मेनन, जगपति बाबू, मुरली शर्मा, महेश मांजरेकर और ऋषभ साहनी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। भारत समेत दुनिया के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में प्राइम मेंबर्स नागबंधम को 24 जुलाई 2026 से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम कर सकेंगे। यह फिल्म तेलुगु के साथ–साथ तमिल, मलयालम और कन्नड़ में डब वर्जन में भी उपलब्ध होगी। प्राइम

वीडियो, जो भारत के सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक है, ने आज अपनी नई फिल्म नागबंधम के एक्सक्लूसिव ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर का ऐलान किया। यह एक भव्य पौराणिक फैंटेसी एडवेंचर फिल्म है, जिसमें प्राचीन कथाओं, रहस्यमयी राज और रोमांच से भरे खजाने की तलाश को दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन अभिषेक नामा ने किया है, जबकि इसे छप्ज्ञ स्टूडियोज के बैनर तले किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में विराट कर्णा लीड रोल में नजर आएंगे। उनके साथ नभा नटेश, ऐश्वर्या मेनन, जगपति बाबू, मुरली शर्मा, महेश मांजरेकर और ऋषभ साहनी भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। नागबंधम 24 जुलाई से प्राइम वीडियो पर एक्सक्लूसिव तौर पर स्ट्रीम होगी। यह फिल्म तेलुगु में उपलब्ध होगी, साथ ही तमिल, मलयालम और कन्नड़ में डब वर्जन में भी देखी जा सकेगी। नागबंधम की कहानी रुद्र नाम के एक साधारण गांव के युवक की है, जिसकी जिंदगी उस वक्त पूरी तरह बदल जाती है जब उसकी बहन की शादी पर क्रूर खजाना खोजने वाला अब्दाली हमला कर देता है। अब्दाली भारत के प्राचीन विष्णु मंदिरों के नीचे छिपे रहस्यमयी नागबंधम अनुष्ठान की तलाश में है। पवित्र ब्रह्म कमल और एक प्राचीन पांडुलिपि की खोज में, जिसके बारे में माना जाता है कि वह असीम दौलत का राज खोल सकती है, अब्दाली अपने पीछे तबाही छोड़ता चलता है। इसी संघर्ष के बीच रुद्र की मुलाकात रहस्यमयी नागा साधु शिवा से होती है, जो उसे आस्था, त्याग और विश्वासघात से भरे एक खतरनाक सफर पर ले जाते हैं। जैसे–जैसे ताकतवर दुश्मन उसके करीब आते हैं, रुद्र को धर्म की रक्षा करने और उस प्राचीन खजाने को गलत हाथों में जाने से बचाने के लिए आगे आना पड़ता है। पौराणिक कथाओं, फैंटेसी और एडवेंचर का शानदार मेल नागबंधम को एक अलग पहचान देता है। फिल्म में प्राचीन मंदिरों की भव्य वास्तुकला को शानदार विजुअल्स के साथ दोबारा जीवंत किया गया है और इसकी कहानी धर्म की जड़ों से जुड़ी हुई है। जुनैद कुमार और अभे का दमदार म्यूजिक फिल्म के रोमांच को और बढ़ा देता है। पुरानी दंतकथाओं, छिपे खजानों और आस्था से जुड़े सवालों को लेकर आगे बढ़ने वाली यह कहानी दर्शकों को एक बड़े और रोमांचक सफर पर ले जाती है।

अंशुला कपूर के वेडिंग रिसेप्शन में जाह्नवी कपूर अपने लुक के साथ–साथ मेहंदी को लेकर भी चर्चा में रहीं। उन्होंने डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की सिल्क साड़ी को स्ट्रैपलेस ब्लाउज के साथ पहना था। उनका यह लुक सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया गया। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर रिसेप्शन की कई तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में उनकी मेहंदी पर शिखु नाम लिखा नजर आया। शिखु उनके बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का निकनेम है। यह नाम मेहंदी के डिजाइन में बारीकी से लिखा गया था। वहीं, अंशुला कपूर के वेडिंग रिसेप्शन में जाह्नवी कपूर का एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें उन्होंने ढोल बजाया। हाल ही में नाइटसूट की तस्वीर वायरल हुई बता दें कि 2024 में फिल्म मैदान की स्क्रीनिंग के दौरान वह शिखु नाम का नेकलेस पहनकर पहुंची थीं। गौरतलब है कि हाल ही में सोशल मीडिया पर जाह्नवी की एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें वे एक अनोखा नाइटसूट पहने नजर आ रही हैं। इस नाइटसूट पर शिखर पहाड़िया के नाम का एक मैसेज भी लिखा था। इस फोटो में जाह्नवी ने पिंक कलर का नाइटसूट और ग्रे जैकेट पहना हुआ था। उनके नाइटसूट पर अंग्रेजी में लिखा है।

टीवी एक्ट्रेस आयशा सिंह इन दिनों अपने सीरियल श्मन्नतरू हर खुशी पाने कीश को लेकर सुर्खियों में हैं. शो की कहानी, उनका किरदार और अभिनय दर्शकों को बहुत पसंद आता हैं. इसी बीच आयशा ने खुलासा किया कि उन्हें बारिश का मौसम बहुत पसंद हैं. इतना ही नहीं, उन्हें जब भी मौका मिलता है, वो बारिश में भीगने चली जाती हैं. बारिश में भीगना पसंद है... हाल ही में एबीपी लाइव से बातचीत में आयशा ने कहा कि श्शूट खत्म होते ही मैं बारिश में चली गई. मैंने टीम से पूछा कि क्या मैं भीग सकती हूं? उन्होंने कहा हां. फिर मैंने एक सेकंड भी वेस्ट नहीं किया. बारिश की बूंदें एक अलग सुकून देती है.श उनके इस बयान से लगता है कि वो इस मौसम को खुलकर जीती है और अपने दिन को एंजॉय करती हैं. आयशा के ख्याल हैं अलग जहां बारिश में कई सेलेब्स को व्हाइट कलर के कपड़े पहनना पसंद नहीं हैं क्योंकि भीगने के बाद वो ट्रांसपेरेंट हो जाते है. वहीं आयशा के ख्याल इससे बिल्कुल अलग हैं और उन्हें इस कलर से कोई परेशानी नहीं है. उन्होंने कहा, मुझे व्हाइट आउटफिट बहुत पसंद हैं. व्हाइट पे गो क्रेजी. बारिश के साथ व्हाइट कपड़े का कॉम्बिनेशन कैमरे पर सबसे खूबसूरत लगता है.श हालांकि आयशा को शॉर्ट्स, टी–शर्ट और फ्लिप–फ्लॉप वाला कैजुअल स्टाइल भी बहुत पसंद हैं. कैसी है सीरियल की कहानी? वहीं बात करें सीरियल की, तो इसकी शुरुआत पिछले साल जनवरी में हुई, जो कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है. शो की कहानी मन्नत नाम की लड़की की है, जिसका सपना शेफ बनने का है. हालांकि उसकी जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आते है, जिससे उसकी जिंदगी बदलती हुई नजर आती है. इसके बावजूद वो हार नहीं मानती और अपने परिवार के लिए खड़ी नजर आती हैं.

खुशाली कुमार ने चुनी अलग राह, कंटेंट–ड्रिवन प्रोजेक्ट्स के बाद फिल्म दुल्हनिया ले आएगी में आएंगी नजर

अभिनेत्री खुशाली कुमार बीते कुछ वर्षों से ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रही हैं, जो मजबूत कहानी और दमदार कंटेंट की वजह से चर्चा में रहे हैं। कमर्शियल फिल्मों के साथ–साथ उन्होंने इंडिपेंडेंट फिल्मों और नए फिल्मकारों के साथ भी काम करते हुए अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश की है। अलग–अलग विषयों पर आधारित फिल्मों का चयन उनकी बदलती फिल्मी सोच को दर्शाता है। हाल ही में खुशाली कुमार चर्चित ओटीटी सीरीज सपने टे एवरीवन 2 में नजर आईं। इस सीरीज में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने पसंद किया। उनके किरदार ने यह साबित किया कि वह सिर्फ पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना पसंद करती हैं जिनमें अभिनय की पर्याप्त गुंजाइश हो। खुशाली कुमार अब अपनी नई फिल्म दुल्हनिया ले आएगी के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन आकाश आदित्य लांबा ने किया है। फिल्म का निर्माण एक इंडिपेंडेंट प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले किया गया है, जो कंटेंट–ड्रिवन सिनेमा पर फोकस करता है। फिल्म में खुशाली कुमार के साथ दिग्गज अभिनेता महेश मांजरेकर और पियूष मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। अनुभवी कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर करना खुशाली के करियर के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। फिल्म की स्टारकास्ट और इसकी कहानी को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। खुशाली कुमार ने अब तक अलग–अलग जॉनर की फिल्मों में काम किया है। उन्होंने आर. माधवन के साथ थ्रिलर फिल्म धोखा राउंड डी कॉर्नर, प्रतीक गांधी के साथ सामाजिक विषय पर आधारित डेढ़ बीघा जमीन, ओटीटी सीरीज सपने टे एवरीवन 2 और अब कॉमेडी फिल्म दुल्हनिया ले आएगीश के जरिए अपने अभिनय का अलग–अलग अंदाज पेश किया है। खुशाली कुमार की आगामी फिल्म दुल्हनिया ले आएगी इस शुक्रवार, 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। अलग–अलग जॉनर की फिल्मों में काम करने की दिशा में यह फिल्म उनके करियर का एक और अहम पड़ाव मानी जा रही है। दर्शकों को उम्मीद है कि इस बार खुशाली कॉमेडी अंदाज में भी अपनी छाप छोड़ने में सफल रहेंगी।

दूध से मिनटों में बनाएं मार्केट जैसी चीज, स्वाद भी लाजवाब और खर्च भी कम

❍ टोस्ट, सैंडविच और पास्ता जैसी चीजों को बनाने के लिए चीज का इस्तेमाल किया जाता है। तो इस बार बाजार से चीज लाने की जगह घर पर ही तैयार करें। घर पर बनी फ्रेश चीज स्वाद में लाजवाब लगती है। सीखें, इसे बनाने का तरीका...

चीज बच्चों को काफी पसंद होती है। इसका इस्तेमाल टोस्ट से लेकर पास्ता बनाने तक में किया जाता है। हालांकि, बच्चे तो हर रेसिपी में चीज के साथ एक्सपेरिमेंट करते रहते हैं। मार्केट में तरह–तरह की चीज मिलती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि घर पर रखे दूध से आप चीज तैयार कर सकते हैं। अगर नहीं तो यहां सीखिए कैसे बना सकते हैं फ्रेश चीज।

चीज ब्लॉक बनाने की सामग्री

– कम वसा वाला दूध– 2 लीटर

– नींबू का रस– 3 बड़े चम्मच

– ठंडा पानी– पनीर धोने के लिए

– साइट्रिक एसिड– एक चम्मच

– बेकिंग सोडा– एक चम्मच

– मक्खन– दो बड़े चम्मच

– दूध–तीन बड़े चम्मच

– नमक– आधा छोटा चम्मच या स्वादानुसार

– हल्दी पाउडर– एक छोटी चुटकी (रंग के लिए)

– तेल– कन्टेनर को चिकना करने के लिये

घर पर चीज ब्लॉक बनाने की विधि

– चीज बनाने के लिए सबसे पहले एक हैवी–बॉटम पैन में 2 लीटर लो–फैट दूध को गरम करें। दूध को सिर्फ इतना गरम करना है कि आपकी उंगली उसकी गर्मी को 10 सेकंड तक आराम से झेल सके।

– अब गैस बंद करें और नींबू का रस डालें। हल्के से मिक्स करें ऐसा करते ही दूध फटना शुरू हो जाएगा और पनीर बन जाएगा।

– अच्छी तरह से दूध फटने के बाद इसे छानने के लिए मलमल के कपड़े या छलनी का इस्तेमाल करें। इसे छानने के बाद ठंडे पानी से

अच्छी तरह धो लें ताकि नींबू का स्वाद निकल जाए। अब एक्स्ट्रा पानी को निचोड़ कर निकाल दें।

– एक कटोरी में साइट्रिक एसिड और बेकिंग सोडा को एक बड़ा चम्मच पानी के साथ मिक्स करके घोल तैयार करें।

– ब्लेंडिंग जार में तैयार पनीर, साइट्रिक एसिड का घोल, मक्खन और 3 बड़े चम्मच दूध ा डाल कर ब्लेंड करें। इसका एक स्मूथ और क्रीमी पेस्ट बनाकर तैयार करना है।

– अब इस स्मूद पेस्ट को हीटप्रूफ बाउल में ट्रांसफर करें और डबल बॉयलर प्रोसेस से गरम करें। इसमें नमक और एक छोटी चुटकी हल्दी पाउडर डालें और लगातार मिलाते रहें जब तक मिक्स चमकदार और लचीला न हो जाए।

–अब एक कंटेनर को हल्का सा तेल से ग्रीस करें। पनीर मिक्स को कन्टेनर में डाल कर समान रूप से फैला दीजिये।

– अब फ्रिज में 5–6 घंटे सेट होने के लिए रख दें। फिर सेट होने के बाद क्यूब्स या स्लाइस में कट करें और डिशेज को टेस्टी बनाने के लिए इस्तेमाल करें।

–इस चीज का इस्तेमाल पिज्जा, पास्ता, बर्गर और टोस्ट में आसानी से कर सकते हैं।

कटीले परवल की ये सूखी सब्जी दाल–चावल के साथ लगेगी टेस्टी, सीजन खत्म होने से पहले जरूर बनाएं

❍ मानसून सीजन में कटीले परवल की सब्जी बाजार में खूब बिकती है और लोग इसे खाना भी पसंद करते हैं। अगर आप भी इस सब्जी को खाते हैं, तो इस बार इसकी सूखी सब्जी ट्राई करें। कटीले परवल की सूखी सब्जी दाल–चावल के साथ बेहद स्वादिष्ट लगती है।

कटीले परवल का सीजन सिर्फ बरसात तक ही रहता है यानी जुलाई से सितंबर तक। अगर आपने अब तक कटीले परवल की सूखी सब्जी नहीं खाई तो समझ लीजिए कुछ नहीं खाया। कटीले परवल करेला की तरह जरूर दिखते हैं लेकिन उसका स्वाद करेले जैसा कड़वा नहीं होगा। उसकी सूखी सब्जी बेहद स्वादिष्ट बनती है, जो दाल–चावल के साथ खाने में अच्छी लगती है। अगर आप भी कटीले परवल खरीदते हैं, तो उसकी सूखी सब्जी की आसान रेसिपी हम आपको बताने जा रहे हैं, इसे नोट कर लीजिए। आप इस सब्जी को एक बार खाएंगे फिर बार–बार इसे ही बनाएंगे।

कटीले परवल बनाने के लिए सामग्री

–500 ग्राम कटीले परवल

–2 बड़े चम्मच सरसों का तेल

–1–2 मीडियम साइज प्याज

–1/2 छोटा चम्मच जीरा

–1 चुटकी हींग

–1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर

–1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर

–1/2 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर

–1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला

–स्वादानुसार नमक

सब्जी बनाने की आसान विधि

1– कटीले परवल को अच्छी तरह धोकर दोनों सिरे से काट लीजिए। आप चाहें तो हल्का छील लें और लंबाई में दो–चार टुकड़ों में काट लें। अगर आप गोल आकार में खाना पसंद करते हैं, तो वैसे काट लें।

2– कड़ाही में सरसों का तेल गर्म करें। फिर इसमें जीरा चटकने दें और साथ में चुटकी भर हींग डाल दें। हींग से खुशबू और स्वाद दोनों ही अच्छे हो जाएंगे।

3– प्याज को लंबे आकार में पतला–पतला काटकर पहले से रख लीजिए। जीरा चटकाने के बाद प्याज को लाल होने तक तेल में भून लें।

4– जब प्याज लाल हो जाए तब इसमें कटीले परवल डाल दें और कलछी से चलाएं।

5– अब इसमें मसाले डालने की बारी आएगी। तो आपको स्वादानुसार नमक, ध ानिया पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला, हल्दी डालकर मिक्स करना है।

6– कड़ाही को किसी ढक्कन से कवर कर दें और 12–15 मिनट तक पकाते रहें। बीच में ढक्कन हटाकर चला लें, जिससे सब्जी तले पर चिपके या जले नहीं।

7– जब परवल नरम और हल्के सुनहरे रंग के दिखने लगे, तब आप 2 मिनट तक और भून लें। फिर गैस को बंद करें।

8– बस इस तरह सिर्फ 20 मिनट में आपकी कटीले परवल की सब्जी बनकर तैयार हो जाएगी। इसे दाल–चावल के साथ सर्व करें।

बोनस कुकिंग टिप्स

अगर आपको सब्जी को और करारा–कुरकुरा करना हो तो थोड़ा और भून लें या फिर हल्का सा सरसों का तेल ज्यादा रखें। इसके अलावा आधा चम्मच बेसन भी डाल सकते हैं। बेसन से सब्जी करारी बनेगी और स्वाद में फर्क नहीं पड़ेगा। अगर आपको सब्जी हल्की खट्टी करनी हो, तो खटाई पाउडर डालें।

कपड़े ही नहीं, ये 3 बड़े काम भी निपटा सकता है इलेक्ट्रिक प्रेस, जान लें आसान हैक्स

❍ आयरन का इस्तेमाल हम कपड़ों को प्रेस करने के लिए ही करते हैं लेकिन ये कई कामों को भी आसानी से निपटा सकता है। चलिए आपको बताते हैं प्रेस का इस्तेमाल कर आप क्या–क्या कर सकते हैं।

घर में रखें प्रेस का इस्तेमाल हम कपड़ों को इस्त्री करने के लिए करते हैं। जींस, शर्ट, पैंट, साड़ी कैसा भी कपड़ा हो सबकुछ मिनटों में प्रेस होकर तैयार हो जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं प्रेस सिर्फ कपड़ों को इस्त्री करने तक सीमित नहीं है। बल्कि इससे कुछ और भी मुश्किल और बड़े काम निपट सकते हैं। अगर आपने आजकल सिर्फ कपड़ों के लिए ही प्रेस का इस्तेमाल किया है, तो अब ये हैक्स भी ट्राई करें।

कपड़े प्रेस करने के लिए क्या करते हैं?

कपड़े प्रेस करने होते हैं, तो हम सामान्य डिग्री पर प्रेस को गर्म करते हैं और फिर कपड़ों को इस्त्री करते हुए सिलवटें हटा देते हैं। अब यही काम आपको बाकि चीजों के लिए भी करना है। आपको प्रेस को नॉर्मल टेंपरेचर पर गर्म करना है और फिर इसका इस्तेमाल करना है।

1– पैकेट को सील कर सकते हैं

प्रेस को हल्का गर्म करें और खुले हुए नमकीन–बिस्किट, चिप्स के पैकेट को प्रेस करते हुए सील करें। खाने के चीजों के पैकेट एक बार खुल जाते हैं, तो फिर उनमें रखी चीजें सील जाती है। इस सीलन से बचाने के लिए आप प्रेस का इस्तेमाल कर उसे बंद कर सकते हैं। इससे वह पैकेट बिल्कुल चिपककर बंद हो जाएगा और फिर दोबारा खोलकर भी बंद कर सकते हैं।

2– मोमबत्ती का वैक्स हटाएं

कपड़े या किसी मेज के कवर पर अगर मोमबत्ती का वैक्स गिर जाए, तो उसे हटाने के लिए भी आप प्रेस का इस्तेमाल कर सकते हैं। मोमबत्ती का वैक्स जम गया हो, तो उसके ऊपर पेपर टॉवल या ब्राउन पेपर रखें। फिर कम तापमान पर आयरन चलाएं। गर्मी से वैक्स पिघलकर पेपर में सोख लिया जाएगा। किसी प्लास्टिक कवर पर ये ट्राई न करें, वरना वह जल सकता है।

3– फर्नीचर के डेंट को कम करें

लकड़ी के फर्नीचर के दबाव से कार्पेट या मोटे कपड़ों पर बने निशानों को कम करने के लिए उस जगह पर हल्का गीला कपड़ा रखें। इसके बाद कुछ सेकंड के लिए प्रेस चलाएं। भाप और गर्मी से फाइबर दोबारा ऊपर उठने लगते हैं और निशान काफी हद तक कम हो सकते हैं।

कुछ सावधानियां जरूर बरतें

–आयरन का तापमान हमेशा सामग्री के अनुसार रखें, न कम हो और न ही ज्यादा।

–प्लास्टिक या सिंथेटिक चीजों पर आयरन सीधे न रखें।

–किसी भी हैक को आजमाने से पहले छोटे हिस्से पर टेस्ट जरूर करें। क्योंकि आपकी चीजें अलग हो सकती हैं।

–हैक्स को अपनाते समय बच्चों को दूर रखें।

सेब और केला कटते ही पड़ जाते हैं काले? ये 5 स्मार्ट हैक्स अपनाएं

❍ कटे हुए फल और सब्जियां थोड़ी ही देर में काली पड़ने लगती हैं। अगर आप इन्हें लंबे समय तक ताजा और सुंदर बनाए रखना चाहते हैं, तो ये आसान किचन हैक्स आपके बहुत काम आएंगे।

कई बार सुबह जल्दी में फल काटकर रख देते हैं या मेहमानों के आने से पहले फ्रूट प्लेट तैयार कर लेते हैं। लेकिन जब दोबारा उन पर नजर पड़ती है, तो सेब भूरा हो चुका होता है और केला भी काला पड़ने लगता है। कुछ देर कटे हुए रखा रहने दें तो आलू, बैंगन या लौकी का रंग भी बदल जाता है। ऐसे में अक्सर लोगों को लगता है कि शायद फल या सब्जी खराब हो गई है, जबकि ऐसा हर बार नहीं होता।

इसके पीछे एक कॉमन नेचुरल प्रोसेस होता है, जो हवा के संपर्क में आते ही शुरू हो जाता है। अच्छी बात यह है कि रसोई में मौजूद कुछ आसान चीजों और सही तरीके से स्टोर करके इस प्रक्रिया को काफी हद तक धीमा किया जा सकता है, जिससे कटे हुए फल और सब्जियां लंबे समय तक ताजा नजर आते हैं।

कटे हुए फल और सब्जियां काली क्यों पड़ जाती हैं?

जब फल या सब्जी को काटा जाता है, तो उसका अंदरूनी हिस्सा हवा के संपर्क में आ जाता है। हवा में मौजूद ऑक्सीजन के कारण एक प्राकृतिक प्रक्रिया शुरू होती है, जिसे ऑक्सीडेशन कहा जाता है। इसी वजह से सेब, केला, आलू और बैंगन जैसी चीजों का रंग धीरे–धीरे भूरा या काला होने लगता है।

1. नींबू का रस लगाएं

नींबू का रस सबसे आसान और असरदार तरीका माना जाता है। इसमें मौजूद नेचुरल एसिड्स ऑक्सीडेशन की रफ्तार को धीमा करने में मदद करता है। सेब, नाशपाती या दूसरे फलों पर थोड़ा–सा नींबू का रस लगा सकते हैं।

2. ठंडे पानी में रखें

आलू, शकरकंद और बैंगन जैसी सब्जियों को काटने के तुरंत बाद ठंडे पानी में डाल दें। इससे उनका हवा के साथ संपर्क कम होता है और रंग जल्दी नहीं बदलता।

3. एयरटाइट डिब्बे में रखें

कटे हुए फल और सब्जियों को खुले में छोड़ने की बजाय अच्छी तरह बंद डिब्बे में रखें। इससे हवा कम पहुंचेगी और वे ज्यादा देर तक ताजा बने रहेंगे।

4. अच्छी तरह ढक दें

एयरटाइट डिब्बे के अलावा कटे हुए हिस्से को प्लास्टिक फूड रैप में अच्छी तरह लपेटकर रख सकते हैं। इससे हवा का संपर्क कम हो जाएगा और रंग जल्दी नहीं बदलेगा।

5. हल्के नमक या शहद वाले पानी का इस्तेमाल करें

कुछ फलों को कुछ मिनट के लिए हल्के नमक या शहद मिले पानी में रखने से भी उनका रंग बदलने की रफ्तार कम हो सकती है। इसके बाद उन्हें निकालकर इस्तेमाल करें।

किन चीजों में यह समस्या सबसे ज्यादा होती है?

सेब

केला

आलू

बैंगन

नाशपाती

शकरकंद।

बिना मिट्टी के धनिया उगाने का तरीका सीख लें, बारिश में होगी मिलेगी हरी–ताजी पत्तियां

❍ पानी में धनिया कैसे उगाएं: घर में धनिया उगाकर ताजी–हरी फ्रेश पत्तियों को खाना चाहती हैं तो आपको गमला और मिट्टी की जरूरत नहीं पड़ेगी। सिंपल घर के किचन से डलिया, कपड़ा और धनिया के बीज लेकर इस तरह से पानी में उगाएं धनिया।

धनिया की ताजी महक और स्वाद अधिकतर लोगों को पसंद आती है। लेकिन बारिश में दिनों में मार्केट से धनिया खरीदकर लाए तो वो फौरन सड़ने लगती है और अगर इसे स्टोर भी किया जाए तो वो पौधे से टूटी ताजी पत्तियों जैसी स्मेल नहीं मिलती। ऐसे में गमले में धनिया उगाने का आइडिया सबसे बेस्ट है। लेकिन अच्छी खाद वाली मिट्टी आपके पास नहीं है तो बहुत ही सिंपल तरीके से पानी में आपक धनिया उगा सकती हैं और ताजी हरी पत्तियों का स्वाद ले सकती हैं। सीख लें पानी में हरी धनिया उगाने का तरीका।

पानी में हरी धनिया उगाने का तरीका जानें

बिना मिट्टी, बिना गमला केवल पानी में हरी धनिया उगाने का हैक बड़े कमाल का है। इसमे आपको केवल बदलने की मेहनत करनी पड़ेगी और कुछ दिनों में ही धनिया के बीजों से धनिया के पौधे ग्रो होने लगेंगे। स्टेप बाई स्टेप सीखें किस तरह से धनिया को पानी में उगाया जा सकता है।

सबसे पहले अच्छे क्वालिटी के धनिया के बीजों को लें। जिनकी ग्रोथ अच्छी और तेज हो सके।

अब एक प्लास्टिक या स्टील की डलिया लें। सब्जी वाली डलिया जो आमतौर पर मार्केट में मिल जाती है।

बस इस डलिया के ऊपर एक साफ–सुथरा कॉटन का कपड़ा लेकर बिछा दें।

मुंह में रखते ही घुल जाएगी चॉकलेट खोया बर्फी, नोट कर लें रेसिपी

❍ अगर मीठा खाने का मन है और कुछ अलग बनाना चाहते हैं, तो इस बार घर पर चॉकलेट बर्फी जरूर ट्राई करें। यह रेसिपी आसान है और बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को खूब पसंद भी आएगी।

जब भी घर में कोई खास मौका होता है, तो अक्सर मिठाई बनती ही है। लेकिन हर बार एक जैसी मिठाई खाने से मन भर जाता है। अगर इस बार आप कुछ नया, स्वादिष्ट और बच्चों की पसंद का बनाना चाहते हैं, तो चॉकलेट बर्फी एक बढ़िया ऑप्शन रहेगा। इसमें पारंपरिक बर्फी का स्वाद और चॉकलेट का मजेदार स्वाद एक साथ मिलता है।

अच्छी बात यह है कि इसे बनाने के लिए ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ती। कुछ आसान सामग्री और थोड़े से समय में आप ऐसी चॉकलेट बर्फी तैयार कर सकते हैं, जिसे खाने के बाद हर कोई आपकी तारीफ जरूर करेगा। नोट कर लें इसकी रेसिपी –

चॉकलेट बर्फी बनाने के लिए सामग्री

दो कप खोया

आधा कप पिसी चीनी

आधा कप कोको पाउडर

दो बड़े चम्मच घी

आधा छोटा चम्मच इलायची पाउडर

दो बड़े चम्मच कटे हुए बादाम

दो बड़े चम्मच कटे हुए पिस्ते

चॉकलेट बर्फी बनाने के लिए ईजी स्टेप्स

सबसे पहले एक भारी तले की कड़ाही गर्म करें और उसमें घी डालें।

अब खोया डालकर धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए हल्का भून लें।

जब खोया नरम और खुशबूदार हो जाए, तब उसमें पिसी चीनी डालें।

चीनी घुलने के बाद कोको पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें।

अब इलायची पाउडर भी डाल दें। मिश्रण को तब तक चलाते रहें, जब तक वह गाढ़ा होकर कड़ाही छोड़ने ना लगे।

अब बर्फी को जमाएं

एक थाली या ट्रे में थोड़ा घी लगाकर चिकना कर लें।

तैयार मिश्रण उसमें डालकर बराबर फैला दें।

ऊपर से कटे हुए बादाम और पिस्ते डालें।

संक्षिप्त

ग्रामीण भारत की कमाई थमीः खर्च बढ़ा, नाबार्ड सर्वे ने बढ़ाई चिंता, भविष्य को लेकर भी घटा भरोसा

नई दिल्ली,एजेंसी। ग्रामीण भारत में आमदनी की रफ्तार कमजोर पड़ रही है और इसका असर बचत, रोजगार तथा भविष्य को लेकर परिवारों के भरोसे पर भी दिखाई देने लगा है। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के जुलाई 2026 के सर्वे में देशभर के 20,000 ग्रामीण परिवारों से मिली प्रतिक्रियाओं में 52.6प्रतिशत ने कहा कि पिछले एक वर्ष में उनकी आय नहीं बढ़ी, जबकि 19.8प्रतिशत परिवारों की आमदनी घट गई। केवल 27.7प्रतिशत परिवारों ने आय बढ़ने की बात कही, जो सितंबर 2024 में सर्वे शुरू होने के बाद सबसे कम है। इसके बावजूद घरेलू खर्च बढ़ा है और ग्रामीण परिवारों के उपभोग व्यय में भोजन की हिस्सेदारी सबसे अधिक बनी हुई है। अगले तीन महीनों में रोजगार की स्थिति बेहतर होने की उम्मीद केवल 39.3प्रतिशत परिवारों ने जताई है। इसी अवधि में आय बढ़ने की संभावना देखने वाले परिवारों की हिस्सेदारी 41.2प्रतिशत रह गई, जो अब तक के सर्वे में सबसे कम है। आय में कमजोरी के बावजूद ग्रामीण परिवारों के घरेलू खर्च में वृद्धि जारी है। सर्वे में 74.1प्रतिशत परिवारों ने कहा कि पिछले एक वर्ष में उनका उपभोग व्यय बढ़ा है। औसतन ग्रामीण परिवार अपनी मासिक आय का 66.5प्रतिशत उपभोग पर खर्च कर रहे हैं। इसके मुकाबले 13.6प्रतिशत आय बचत में जाती है, जबकि 12.5प्रतिशत हिस्सा पुराने कर्ज की अदायगी में खर्च हो रहा है। ग्रामीण परिवारों के बीच कीमतों को लेकर चिंता भी बढ़ी है। जुलाई 2026 के सर्वे में उत्तरदाताओं ने अगले एक वर्ष के दौरान औसत महंगाई दर 5.8प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। मार्च 2026 के सर्वे में यही अनुमान 4.4प्रतिशत था। यानी कुछ ही महीनों में ग्रामीण परिवारों की महंगाई संबंधी अपेक्षाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आय की धीमी वृद्धि के बीच महंगाई की बढ़ती आशंका इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि ग्रामीण परिवार पहले ही अपनी आमदनी का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा के उपभोग पर खर्च कर रहे हैं।

लाल सागर और होर्मुज संकट, क्या देश में फिर बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम?

नई दिल्ली,एजेंसी। ईरान यमन के हूती विद्रोहियों के माध्यम से लाल सागर में बाब अल–मंदेब जलमार्ग बंद करने की तैयारी कर रहा है। यह कदम होर्मुज जलडमरूमध्य के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा व्यवधान पैदा कर सकता है। यदि ऐसा होता है, तो दुनिया के दो सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर एक साथ संकट आ जाएगा। ये मार्ग पश्चिम एशिया के ऊर्जा उत्पादकों को एशिया, यूरोप और अन्य देशों के ग्राहकों से जोड़ते हैं। होर्मुज के आसपास की बिगड़ती परिस्थितियों के बाद खाड़ी के तेल उत्पादक तेजी से लाल सागर की ओर मुड़ गए थे। इससे लाल सागर गलियारे से गुजरने वाले तेल की मात्रा में भारी वृद्धि हुई। केपलर सिग्नल ओशन के आंकड़ों के अनुसार, हाल के हफ्तों में लाल सागर से तेल का प्रेषण औसतन लगभग 40 लाख बैरल प्रति दिन रहा है। जून में बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य से गुजरने वाली कुल पेट्रोलियम मात्रा 74 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गई थी। यह मात्रा वैश्विक तेल उत्पादन का सात फीसदी है। भारत का अधिकांश अंतरराष्ट्रीय व्यापार समुद्री मार्ग पर निर्भर है। देश का 95 फीसदी व्यापार मात्रा के हिसाब से समुद्र के रास्ते होता है। मूल्य के हिसाब से भी लगभग 70 फीसदी व्यापार समुद्री परिवहन पर निर्भर करता है। भारत का लगभग आधा वस्तु निर्यात लाल सागर गलियारे से होता है। आयात के मोर्चे पर, लगभग 30 फीसदी व्यापार इसी मार्ग पर निर्भर है। यूरोपीय देशों के साथ भारत का 80 फीसदी व्यापार लाल सागर और स्वेज नहर से होता है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास तनाव बढ़ने के बाद खाड़ी के तेल उत्पादकों ने लाल सागर को प्राथमिकता दी। इससे लाल सागर गलियारे से तेल की आवाजाही में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। केपलर सिग्नल ओशन के आंकड़ों के अनुसार, हाल के हफ्तों में लाल सागर से तेल का प्रेषण औसतन 40 लाख बैरल प्रतिदिन रहा। जून में बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य से गुजरने वाली कुल पेट्रोलियम मात्रा 74 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गई। यह आंकड़ा वैश्विक तेल उत्पादन का सात फीसदी है। यह मार्ग पश्चिम एशिया के ऊर्जा उत्पादकों को दुनिया के बड़े बाजारों से जोड़ता है। रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज के अनुसार, लाल सागर के लगातार बंद रहने से भारत को बड़ा नुकसान होगा। भारत को निर्यात के मोर्चे पर 30 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। यह व्यवधान कृषि और कपड़ा जैसे प्रमुख क्षेत्रों को प्रभावित करेगा। रसायन, पेट्रोलियम उत्पाद और विनिर्माण आपूर्ति शृंखला उद्योग भी इससे अछूते नहीं रहेंगे। भारत का 95 फीसदी व्यापार समुद्री मार्ग से होता है, जिससे यह संकट और गंभीर हो जाता है। यूरोपीय देशों के साथ भारत का 80 फीसदी व्यापार इसी मार्ग पर निर्भर है। इस व्यवधान के कारण कच्चे तेल की कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। भारत के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार हैं, जो अस्थायी व्यवधानों के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं। हालांकि, यदि लाल सागर और होर्मुज का दोहरा संकट लंबे समय तक बना रहा, तो सरकारी तेल कंपनियों पर लाभ अंतर का दबाव बढ़ेगा। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें घरेलू अर्थव्यवस्था को सीधे प्रभावित करेंगी। इससे पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और हवाई ईंधन की कीमतें बढ़ेंगी। माल ढुलाई लागत और अंततः खुदरा कीमतें भी प्रभावित होंगी, जिससे महंगाई बढ़ेगी। तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि विनिर्माण, कृषि और उपभोक्ता वस्तुओं में महंगाई को बढ़ावा देगी।

झंडू कुमार के ऐतिहासिक कांस्य पर पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा- पूरे देश को किया गौरवान्वित

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर पोस्ट करते हुए झंडू कुमार की उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने लिखा, कॉमनवेल्थ गेम्स में पैरा पावरलिफ्टिंग में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने पर झंडू कुमार को बधाई। उनकी उपलब्धि अपार शक्ति, अटूट संकल्प और वर्षों की अनुशासित मेहनत का सशक्त प्रतीक है। हर चुनौती को पार कर अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने पूरे देश को गौरवान्वित किया है और अनगिनत भारतीयों को प्रेरित किया है। वहीं, भारतीय पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार के कोच राजिंदर सिंह रहलू ने कहा कि टीम का लक्ष्य कांस्य नहीं, बल्कि स्वर्ण पदक जीतना था। हालांकि, राष्ट्रमंडल खेल 2026 में हल्की गणना की गलती और आपसी संवाद (मिसकम्युनिकेशन) के कारण झंडू शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गए। पुरुषों के हेवीवेट वर्ग में झंडू कुमार ने अपने दूसरे प्रयास में 190 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। रहलू ने कहा, श्हमें पहले से पता था कि स्वर्ण पदक के लिए कितना वजन उठाना होगा। हमने पूरी गणना कर रखी थी और हमारा लक्ष्य भी स्वर्ण था, लेकिन किसी कारणवश वह हासिल नहीं हो सका। कोच ने बताया कि स्वर्ण पदक की दौड़ बेहद कड़ी थी, लेकिन असली वजह प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि आपसी तालमेल में हुई छोटी–सी चूक रही। उन्होंने कहा, स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला काफी कठिन था, जैसा कि सभी ने देखा। लेकिन असली कारण यही नहीं था। यह सिर्फ मिसकम्युनिकेशन था। मैं खिलाड़ी से थोड़ा दूर था और वजन की गणना में थोड़ी दिक्कत हुई। जैसा आपने देखा, हम सिर्फ दो अंकों से स्वर्ण पदक से चूक गए। रहलू ने बताया कि पैरा पावरलिफ्टिंग में मामूली अंतर भी नतीजा बदल सकता है। उन्होंने कहा, दो अंकों का मतलब करीब 2–3 किलोग्राम का अंतर होता है। ऐसे करीबी मुकाबलों में शरीर की क्षमता और सही रणनीति बहुत मायने रखती है। गणना में थोड़ी–सी गलती हो गई। लेकिन कोई बात नहीं, हमने पदक जीता और भारत का खाता खोला, यह भी बहुत बड़ी बात है। झंडू कुमार ने 190 किलोग्राम का अपना सर्वश्रेष्ठ सफल भार उठाकर 130.9 अंक हासिल किए और कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने पहले प्रयास में 181 किलोग्राम वजन उठाकर 124.7 अंक हासिल किए। दूसरे प्रयास में 190 किलोग्राम सफलतापूर्वक उठाकर वह कुछ समय के लिए शीर्ष पर पहुंच गए। तीसरे और अंतिम प्रयास में उन्होंने 196 किलोग्राम वजन उठाने की कोशिश की। यदि वह सफल हो जाते तो बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों का मीट रिकॉर्ड भी टूट जाता। हालांकि, वह यह प्रयास पूरा नहीं कर सके और अंत में कांस्य पदक के साथ प्रतियोगिता समाप्त की। इससे पहले पुरुषों के लाइटवेट वर्ग में अशोक मलिक व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 200 किलोग्राम वजन उठाने के बावजूद 143.8 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे, जबकि परमजीत कुमार 176 किलोग्राम वजन और 135.6 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे। महिलाओं के लाइटवेट वर्ग में जसप्रीत कौर ने 100 किलोग्राम वजन उठाकर 96.4 अंक हासिल किए और छठे स्थान पर रहीं। वहीं सुमन देवी ने भी 100 किलोग्राम का सर्वश्रेष्ठ भार उठाया, लेकिन 88.4 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहीं। महिलाओं के हेवीवेट वर्ग में कस्तूरी राजामणि अपने तीनों प्रयासों में असफल रहीं और कोई वैध लिफ्ट दर्ज नहीं कर सकीं। झंडू कुमार का कांस्य पदक ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों की पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में भारत का पहला पदक साबित हुआ।

भूखे इंसान को बासी खाना भी दावत लगता है, श्रेयस की पहली जीत पर पूर्व क्रिकेटर ने क्यों कहा ऐसा ?

हरारे,एजेंसी। जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारत ने सात विकेट से जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली। यह जीत कप्तान श्रेयस अय्यर के लिए बेहद खास रही, क्योंकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तान बनने के बाद यह उनकी पहली जीत थी। इससे पहले उनकी कप्तानी में भारत आयरलैंड के खिलाफ 2–0 और इंग्लैंड के खिलाफ 4–0 से सीरीज हार चुका था। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सदागोपन रमेश ने भारत की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भले ही कुछ लोग जिम्बाब्वे पर जीत को बड़ा नहीं मान रहे हों, लेकिन लगातार हार के बाद यह सफलता टीम के लिए राहत लेकर आई है। उन्होंने कहा, कई लोग कह रहे हैं कि जिम्बाब्वे को हराकर भारत को इतनी खुशी नहीं मनानी चाहिए। लेकिन जब टी20 में लंबे समय से जीत का इंतजार हो तो बासी खाना भी शादी की दावत जैसा लगता है। श्रेयस अय्यर जरूर राहत महसूस कर रहे होंगे। उनकी कप्तानी में भारत लगातार हार रहा था। शायद वह उस स्थिति में पहुंच गए थे, जहां किसी भी टीम के खिलाफ जीत ही उनके लिए काफी थी। रमेश ने भारत के अंतरिम मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण की भी जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, वीवीएस लक्ष्मण भी तारीफ के हकदार हैं। जब भी वह भारत के मुख्य कोच बनते हैं, टीम अच्छा प्रदर्शन करती है। उनके मार्गदर्शन में भारत अक्सर विपक्षी टीमों का क्लीन स्वीप करता है, जबकि दूसरी तरफ कई बार भारत खुद क्लीन स्वीप झेल रहा होता है। ऐसे समय में टीम को किसी भी तरह की जीत की जरूरत थी और इसलिए जिम्बाब्वे पर मिली इस जीत की खुशी स्वाभाविक है। भारत की जीत के सबसे बड़े नायक युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने सिर्फ 18 गेंदों में अर्धशतक जड़कर पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में फिफ्टी लगाने का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। महज 15 वर्ष 118 दिन की उम्र में वैभव ने यह उपलब्धि हासिल की और सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सचिन ने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ फैसलाबाद टेस्ट में 16 वर्ष 213 दिन की उम्र में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाया था।

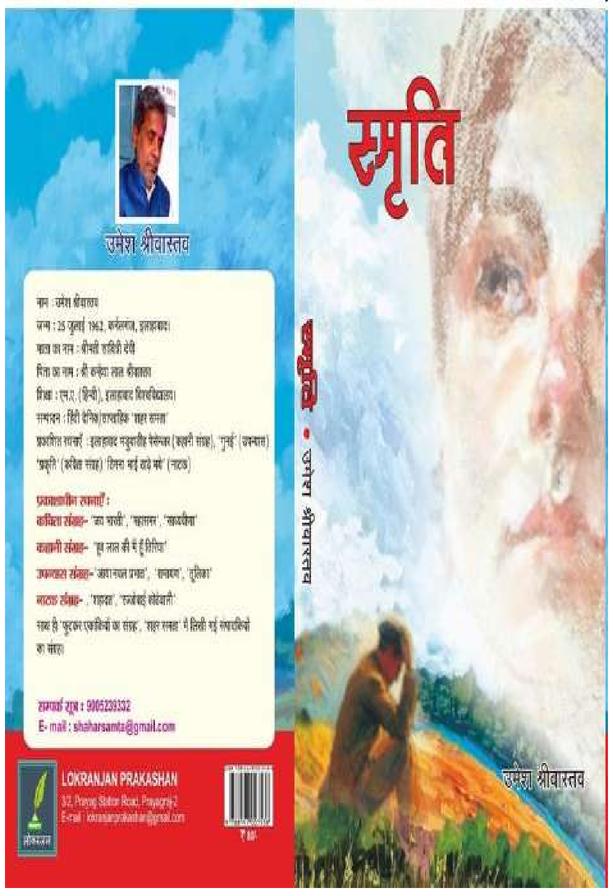

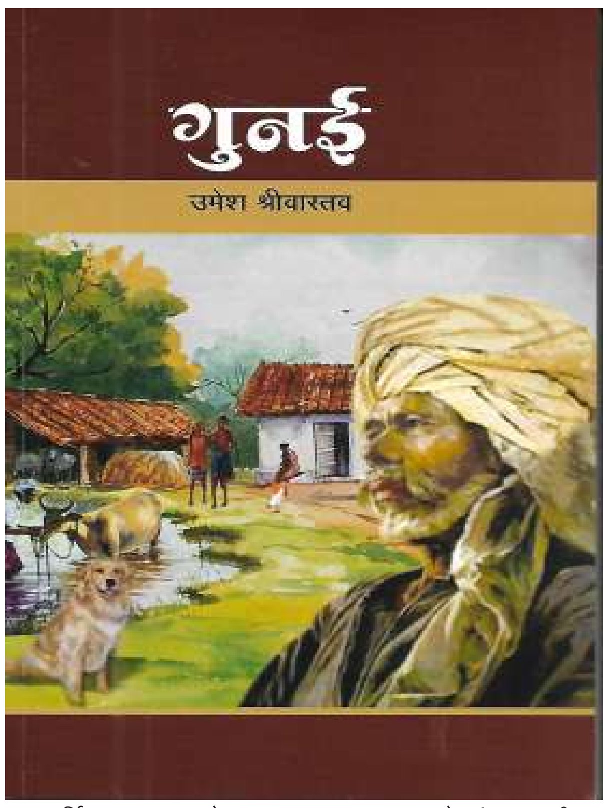

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

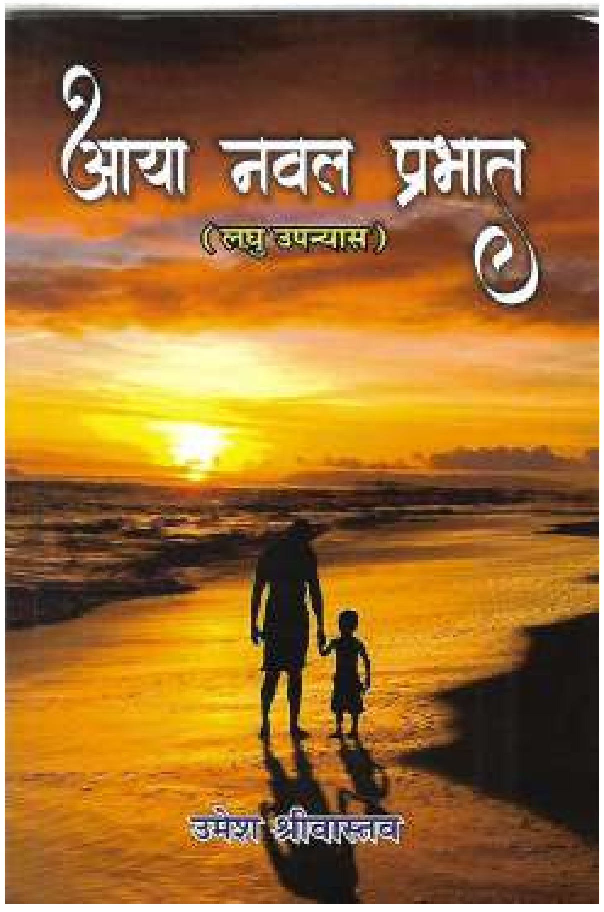

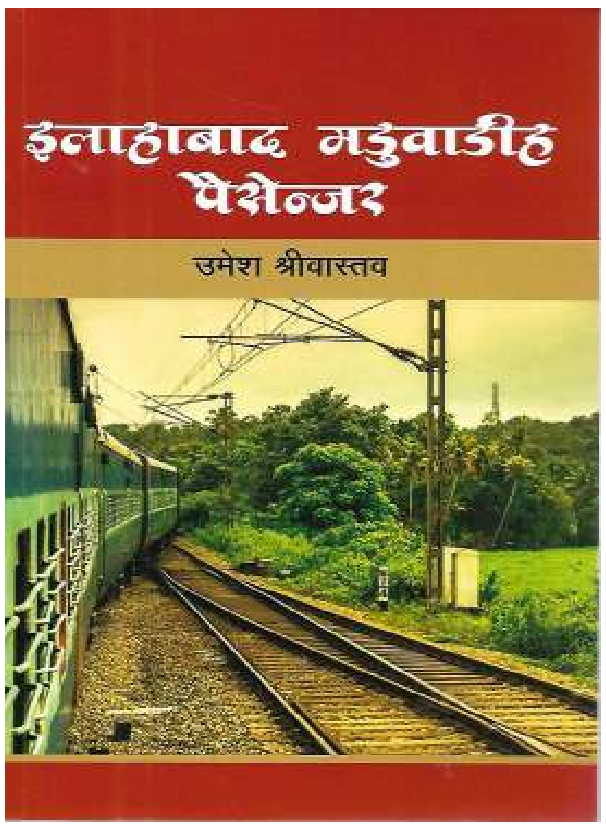

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

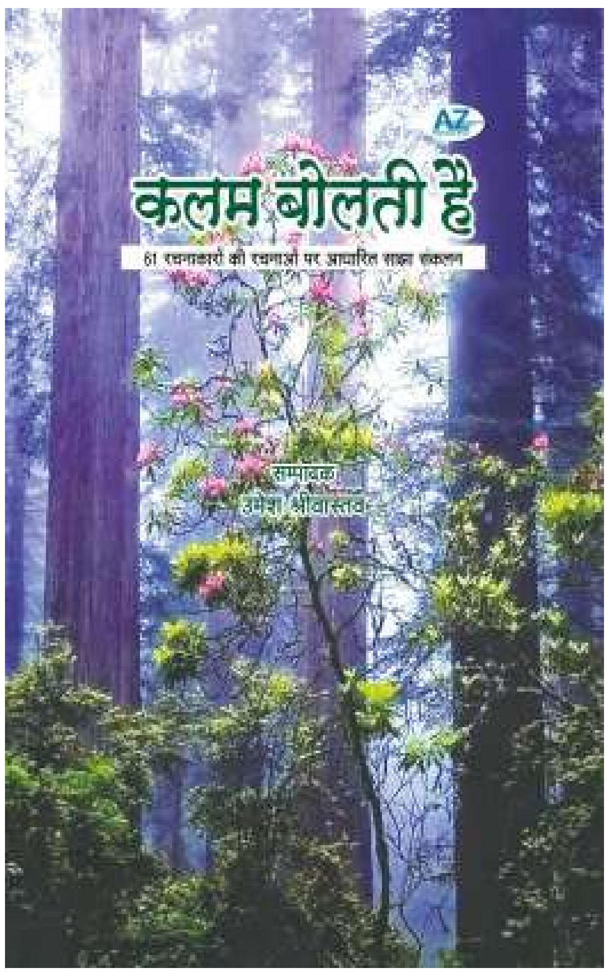

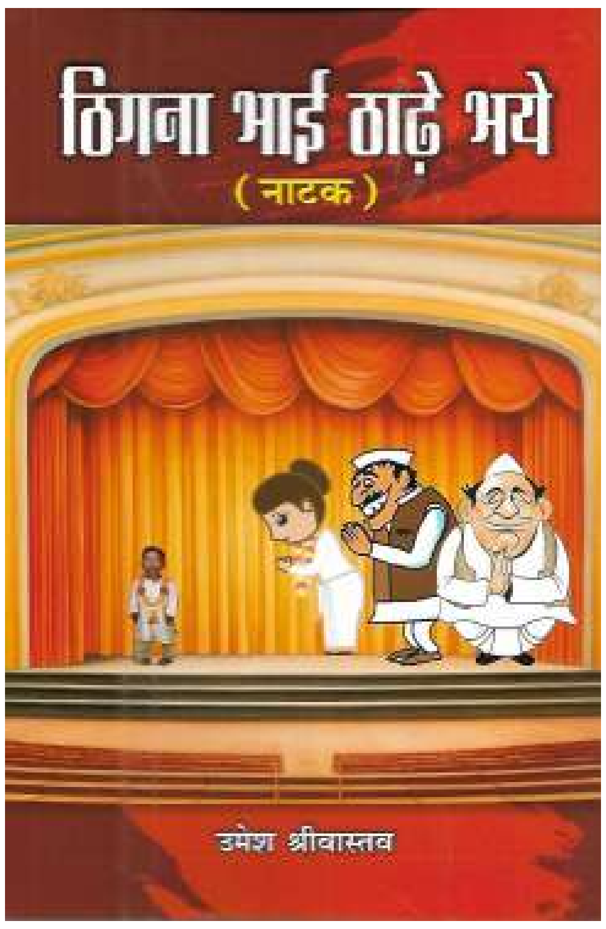

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

इंडोनेशिया में नाव लापता, 11 यूरोपीय पर्यटक थे सवार, बड़े स्तर पर तलाश अभियान जारी

पालू,एजेंसी। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप के पास एक स्पीडबोट के लापता होने के बाद बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। इस स्पीडबोट में 11 यूरोपीय पर्यटक और दो स्थानीय चालक दल के सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि अब तक नाव या उसमें सवार लोगों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। अधिकारियों के मुताबिक, स्पीडबोट शुक्रवार सुबह तंजुंग उनाउना रीजेंसी से गोरोंटालो प्रांत के मारिसा बंदरगाह के लिए रवाना हुई थी। हालांकि, तय समय तक नाव अपने गंतव्य पर नहीं पहुंची। गोरोंटालो प्रांत के खोज एवं बचाव कार्यालय के प्रमुख हेरियांतो ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 3:40 बजे एक स्थानीय टूर गाइड ने स्पीडबोट के लापता होने की सूचना दी। इसके तुरंत बाद रात में ही खोज अभियान शुरू कर दिया गया। उन्होंने कहा, जब दोपहर तक स्पीडबोट अपने गंतव्य पर नहीं पहुंची तो चिंता बढ़ गई। हमने तुरंत तलाश अभियान शुरू किया, लेकिन अब तक नाव या उसमें सवार लोगों का कोई पता नहीं चला है। इंडोनेशियाई अधिकारियों के अनुसार स्पीडबोट में एक चेक गणराज्य का नागरिक, एक बेल्जियम का नागरिक, पांच नीदरलैंड के नागरिक, तीन जर्मन नागरिक, एक फ्रांसीसी महिला और दो इंडोनेशियाई चालक दल के सदस्य सवार थे। राहत एवं बचाव दल ने टोमिनी खाड़ी और आसपास के करीब 300 वर्ग समुद्री मील क्षेत्र में खोज अभियान चलाया है। तलाश के लिए कई बचाव दल, थर्मल इमेजिंग ड्रोन और गोताखोरों की टीमों को लगाया गया है। खोज अभियान नाव के संभावित मार्ग को ध्यान में रखकर चलाया जा रहा है। मौसम विभाग ने क्षेत्र में सामान्य तौर पर साफ मौसम का अनुमान जताया है, लेकिन समुद्र में तेज हवाओं और करीब 2.5 मीटर ऊंची लहरों के कारण बचाव अभियान में कठिनाई आ रही है। अधिकारियों का कहना है कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद लापता पर्यटकों और चालक दल की तलाश लगातार जारी है।

एच–1बी वीजा पर 1 लाख डॉलर शुल्क को लेकर ट्रंप को झटका, अमेरिकी अदालत ने क्यों खारिज की अपील?

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका दिया है। अदालत ने ट्रंप प्रशासन की अपील को खारिज कर दिया, जिसमें निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। निचली अदालत ने एच–1बी वीजा पर 1 लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क रद्द करने का आदेश दिया था। बोस्टन स्थित प्रथम सर्किट अपीलीय अदालत की तीन जजों की पीठ ने अमेरिकी जिला जज लियो टी. सोरोकिन के 8 जून के फैसले पर रोक लगाने की ट्रंप प्रशासन की मांग खारिज कर दी। निचली अदालत ने इस शुल्क को कांग्रेस (संसद) की मंजूरी के बिना लगाया गया गैरकानूनी कर बताया था। पीठ ने शुक्रवार को अपने आदेश में कहा, हम इस अदालत में अपील लंबित रहने तक जिला अदालत के 8 जून के आदेश और उससे जुड़े फैसले पर रोक लगाने की प्रतिवादियों की मांग खारिज करते हैं। जजों ने 20 डेमोक्रेट शासित राज्यों की इस दलील से सहमति जताई कि यहां सवाल यह नहीं है कि कांग्रेस ऐसा अधिकार दे सकती है या नहीं। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस ने वास्तव में ऐसा अधिकार दिया भी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल सितंबर में एक घोषणा में नए एच–1बी वीजा के लिए 1 लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने का फैसला किया था। एच–1बी वीजा के तहत अमेरिकी कंपनियां ऐसे विदेशी कर्मचारियों को नौकरी दे सकती हैं, जिनके पास विशेष क्षेत्रों में काम करने के लिए सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता होती है। अमेरिकी तकनीकी कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से हजारों कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए इस वीजा पर निर्भर रहती हैं।

स्पेसएक्स ने स्टारशिप की 13वीं परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की

अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने शुक्रवार को दुनिया के सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली रॉकेट स्टारशिप की 13वीं परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की। इस मिशन में पहली बार कंपनी ने अपने सबसे उन्नत 20 स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रह अंतरिक्ष में तैनात किए। यह मिशन नासा के लिए भी बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि भविष्य में इसी स्टारशिप का इस्तेमाल आर्टेमिस–III मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने के लिए किया जाना है। 407 फीट (124 मीटर) ऊंचे स्टारशिप ने टेक्सास के दक्षिणी छोर पर स्थित स्पेसएक्स के स्टारबेस लॉन्च साइट से उड़ान भरी। पिछले सप्ताह इंजन में आई तकनीकी समस्या के कारण लॉन्च अंतिम क्षणों में रोकना पड़ा था। इस बार उड़ान की शुरुआत सफल रही और सभी इंजन सही तरीके से चालू हुए। हालांकि, रॉकेट के पहले चरण (बूस्टर) की वापसी के दौरान सभी इंजन दोबारा चालू नहीं हो सके। इसके कारण बूस्टर नियंत्रित तरीके से लौटने के बजाय तेज गति से नीचे आया और मैक्सिको की खाड़ी में गिर गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

ट्रंप बोले– ईरान के खिलाफ अमेरिका पूरी तरह तैयार है, दक्षिणी लेबनान में जोरदार धमाका

लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, दक्षिणी लेबनान के टायर जिले के मशा अल–मंसूरी इलाके में एक जोरदार धमाका हुआ, जिसकी आवाज टायर शहर और आसपास के गांवों तक सुनाई दी। एएनए ने बताया कि यह धमाका इस्राइली सेना द्वारा किया गया था। एक अन्य घटना में, एनएनए ने बताया कि इस्राइली सेना ने मजदेल जौन गांव में लेबनानी सेना की चौकी के पास स्वचालित हथियारों से तलाशी अभियान चलाया। हाल ही में ईरान की समुद्री सीमा में घुसते समय मोजाम्बिक के झंडे वाले एक जहाज पर हमला हुआ, जिसमें 28 भारतीय नागरिक सवार थे। भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फथाली ने बताया, श्इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की समुद्री सीमा में प्रवेश करते समय जहाज पर दुश्मन ने हमला किया। घटना के तुरंत बाद, जहाज ने ईरानी कोस्ट गार्ड को मदद के लिए संदेश भेजा। इसके जवाब में, ईरान के संबंधित समुद्री और बचाव अधिकारियों को बिना किसी देरी के घटनास्थल पर भेजा गया और तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया। ईरानी अधिकारियों की तेज, समन्वित और बेहद पेशेवर कार्रवाई के कारण,

जहाज पर सवार सभी क्रू सदस्यों – जिनमें 28 भारतीय नागरिक भी शामिल थे – को सुरक्षित बचा लिया गया और वे सभी स्वस्थ हैं। यह ऑपरेशन एक बार फिर दिखाता है कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान सभी नाविकों की जान और सुरक्षा की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, चाहे उनकी राष्ट्रीयता कुछ भी हो। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में समुद्री आवाजाही की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता को बार–बार दोहराया है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग की सुरक्षा क्षेत्रीय देशों के बीच सहयोग, आपसी विश्वास, साझा जिम्मेदारी और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान के आधार पर बनाए रखी जानी चाहिए। अनुभव ने बार–बार दिखाया है कि क्षेत्र के बाहर की सैन्य ताकतों की मौजूदगी और दखल से क्षेत्र में सुरक्षा नहीं बढ़ी हैय बल्कि, इससे तनाव और अस्थिरता बढ़ी है। ईरान इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में व्यावसायिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने और समुद्री सुरक्षा बनाए रखने के लिए पूरी पेशेवर ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाता रहेगाश।

वेस्ट बैंक के कई इलाकों में इस्राइली सेना की छापेमारी और सेटलर्स की हिंसा का नया दौर चला। इसमें बेथलहम और नाब्लस में गोलीबारी से एक फलस्तीनी किशोर और एक बुजुर्ग व्यक्ति घायल हो गए। इस्राइली सेना ने जेरिको के दक्षिण में अकबत जाबर कैंप, कालकिल्या शहर, रामल्ला जिले के कोबार गांव और यरूशलेम के उत्तर में काफ्र अकब कस्बे में छापेमारी की। सैनिकों ने जेनिन गवर्नरेट में जबाबदेह और बुरकिन गांवों के साथ–साथ याबाद कस्बे में भी धावा बोला, जबकि एक और छापेमारी तुलकारम के दक्षिण में फारौन गांव को निशाना बनाकर की गई। नाब्लस में, सेना की टुकड़ियां ताल और कर्यूत गांवों के साथ–साथ बेत फुरिक कस्बे में भी दाखिल हुईं। उन्होंने ताल में बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लेने का अभियान चलाया और बेत फुरिक में कई घरों की तलाशी ली। इन छापों के दौरान, सैनिकों ने कर्यूत में फलस्तीनी घरों पर आंसू गैस के गोले दागे, जबकि सेटलर्स ने नाब्लस के दक्षिण में उरीफ गांव के घरों पर हमला किया। सऊदी सिविल डिफेंस निदेशालय ने यानबू प्रांत में संभावित खतरे के बारे में एक और अलर्ट जारी किया था, निदेशालय ने लोगों को शांत रहने और आधिकारिक निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। इसके बाद सऊदी नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने सोशल मीडिया एक्स पर एक नए पोस्ट में कहा है कि यानबू प्रांत में अब खतरा टल गया है। यह आज रात तीसरी बार था जब निदेशालय ने यानबू के लिए संक्षिप्त चेतावनी जारी की।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के लिए अमेरिका पूरी तरह तैयार है, लेकिन साथ ही जोर दिया कि उनका प्रशासन बातचीत में भी लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर तेहरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को छोड़ देता है, तो कूटनीति ही उनकी पसंद का विकल्प बनी रहेगी। व्हाइट हाउस में नागरिक परमाणु ऊर्जा पर आयोजित एक कार्यक्रम में, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका सैन्य अभियानों को तेज करने के लिए तैयार है, साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान किसी समझौते पर पहुंचने को लेकर ज्यादा गंभीर हो रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि दो संभावित रास्ते हैं। उन्होंने कहा, एक सैन्य रास्ता है जिसमें हम वैसे ही आगे बढ़ते रहें जैसे अभी कर रहे हैं, और हम इसे और भी सख्त बना सकते हैंश। या फिर एक बेहतर रणनीति है कि आप कोई समझौता करें और वे भी समझौता करना चाहें। मुझे बस नहीं लगता कि वे अभी इसके लिए तैयार हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ बैठक के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में मौजूदा हालात के लिए अमेरिका के श्वादा तोड़ने और अपराधों को जिम्मेदार ठहराया। मंत्रियों ने शुक्रवार को किर्गिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के दौरान बातचीत की। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी प्ब्छ। की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने ईरान के खिलाफ अमेरिका–इस्राइल की सैन्य आक्रामकता की कड़ी निंदा करने वाले रूस के सैद्धांतिक रुख का स्वागत किया। एजेंसी ने कहा कि अराघची ने श्कूटनीति के क्षेत्र में ईरान की गंभीरताश और श्अपने हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने तथा अमेरिका को ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने के मकसद से होर्मुज जलडमरूमध्य का गलत इस्तेमाल करने से रोकने के पक्के इरादे पर जोर दिया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि लावरोव ने क्षेत्रीय देशों पर आधारित सुरक्षा तंत्र बनाने में श्किसी भी तरह की मदद देने के लिए रूस की तत्परता जाहिर की।

अमेरिका में एच–1बी पर तीन साल तक रोक लगाने की तैयारी?

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका की सीनेट में एक सांसद ने ऐसा विधेयक पेश किया है, जिसमें तीन साल तक नए एच–1बी वीजा जारी करने पर रोक लगाने की मांग की गई है। इसमें ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाए गए एक लाख अमेरिकी डॉलर के शुल्क को कानून में शामिल करने का भी प्रस्ताव है। इस शुल्क को एक संघीय अदालत पहले रद्द कर चुकी है। मोंटाना से रिपब्लिकन सांसद टिम शीही ने यह प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को ऐसे वीजा जारी नहीं करने चाहिए, जिनसे अमेरिकी कर्मचारियों के अधिकारों को नुकसान पहुंचाने में आसानी हो। एच–1बी वीजा के तहत अमेरिकी कंपनियां विशेष क्षेत्रों में काम करने वाले अत्यधिक कुशल विदेशी कर्मचारियों को नौकरी दे सकती हैं। इन नौकरियों में सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की जरूरत होती है। अमेरिकी तकनीकी कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने

के लिए इस वीजा पर निर्भर रहती हैं। अमेरिका में बड़ी संख्या में भारतीय इंजीनियर, सॉफ्टवेयर डेवलपर और अन्य तकनीकी विशेषज्ञ एच–1बी वीजा के जरिये काम करते हैं। शीही ने गुरुवार को एक बयान में कहा, एच–1बी कार्यक्रम की शुरुआत विशेष और कठिन पदों के लिए कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी, न कि सस्ते विदेशी श्रमिकों के जरिए योग्य और मेहनती अमेरिकियों की जगह लेने के लिए। उन्होंने कहा, मेरा कानून एच–1बी के दुरुपयोग को खत्म करेगा और इस कार्यक्रम को उसके असली उद्देश्य के मुताबिक चलाने में मदद करेगा। यह उन खामियों को दूर करेगा, जो इसके गलत इस्तेमाल को बढ़ावा देती हैं। साथ ही सुरक्षा उपायों को मजबूत करेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देगा। शीही ने श्एच–1बी दुरुपयोग रोकने वाला विधेयक, 2026श को अमेरिकी कर्मचारियों की सुरक्षा, एच–1बी में धोखाधड़ी रोकने और उन राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए एक अहम और पहले से उठाया गया कदम बताया, जो उनके अनुसार कमजोर सुरक्षा नियमों के कारण वर्षों से चल रहे इस कार्यक्रम से पैदा हुए हैं। इस प्रस्तावित विधेयक को इमिग्रेशन अकाउंटेबिलिटी प्रोजेक्ट और फेडरेशन फॉर अमेरिकन इमिग्रेशन रिफॉर्म (फेयर) का समर्थन मिला है। इस विधेयक में तीन साल तक नए एच–1बी वीजा जारी करने पर रोक लगाने और इसके बाद ज्यादा सख्त नियमों और सीमाओं के साथ कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने का प्रस्ताव है। इसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से हर एच–1बी आवेदन पर लगाए गए 1 लाख अमेरिकी डॉलर के शुल्क को भी कानून का हिस्सा बनाने की मांग की गई है।

ट्रंप ने न्यूक्लियर डील के बदले रखी अब्राहम समझौते की शर्त, सऊदी पर क्यों दबाव बना रहे अमेरिकी राष्ट्रपति?

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बार फिर कहा कि नागरिक परमाणु समझौते को अंतिम रूप देने के लिए सऊदी अरब को अब्राहम समझौते में शामिल होना होगा। उन्होंने कहा कि यह शर्त पूरी करना जरूरी है। ट्रंप ने कहा कि अब रियाद के पास ईरान जैसी क्षेत्रीय ताकत के दबदबे का खतरा नहीं है, इसलिए अब पीछे हटने की कोई वजह नहीं है। अब्राहम समझौते साल 2020 में अमेरिका की पहल पर हुए कई कूटनीतिक समझौतों का समूह है। इसके तहत इस्राइल और कई अरब देशों के बीच औपचारिक राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध स्थापित हुए थे। इनमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बहरीन, मोरक्को और सूडान शामिल हैं। अमेरिकी परमाणु क्षेत्र में नए विकास पर अपने संबोधन में ट्रंप ने प्रस्तावित ऊर्जा साझेदारी के केंद्र में अब्राहम समझौते को रखा। उन्होंने कहा कि इस्राइल के साथ क्षेत्रीय संबंध सामान्य करने वाले इस समझौते में शामिल होना श्पश्चिम एशिया के भविष्य के लिए बहुत अहमश है। ट्रंप ने कहा, इसे पूरा करने के लिए उन्हें अब्राहम समझौते का सदस्य बनना होगा। अब समय आ गया है कि वे ऐसा करें। उन्होंने कहा, वे और अन्य देश ऐसा नहीं करना चाहते थे क्योंकि उन्हें ईरान से समस्या थी। अब वह समस्या नहीं है। अब वहां कोई बड़ी ताकत नहीं है। वे पश्चिम एशिया के दबंग थे। अब वे इतने बड़े दबंग नहीं रहेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, किसी न किसी समय वे इसमें शामिल होंगे।

ट्रंप ने एक दिन पहले ट्रुथ सोशल पर कहा था कि ऊर्जा समझौता केवल गैर–सैन्य परमाणु इस्तेमाल तक सीमित रहेगा और सऊदी अरब में घरेलू स्तर पर यूरेनियम संवर्धन की अनुमति नहीं होगी। ट्रंप ने गुरुवार को लिखा था, नागरिक परमाणु समझौते को मंजूरी दी जाएगी। लेकिन यह पूरी तरह से सऊदी अरब के अब्राहम समझौते में शामिल होने पर निर्भर है। अमेरिका नागरिक (बिना संवर्धित) परमाणु सुविधाओं का विरोध नहीं करता। ट्रंप की यह स्पष्ट शर्त अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट और सऊदी ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान के बीच हुए अहम नागरिक परमाणु ऊर्जा समझौते पर हस्ताक्षर के बाद आई है। इस समझौते को अमेरिका की संसद में समीक्षा के लिए भेजा गया है। इन दोनों मुद्दों को जोड़कर ट्रंप ने नागरिक ऊर्जा साझेदारी को पश्चिम एशिया की कूटनीति में लंबे समय से चले आ रहे विवाद के साथ जोड़ दिया है। दूसरी ओर, सऊदी अरब लगातार कहता रहा है कि इस्राइल को औपचारिक रूप से मान्यता देने का फैसला एक स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य की स्थापना के लिए स्पष्ट और भरोसेमंद रास्ते पर निर्भर करेगा। वाशिंगटन और रियाद के बीच नागरिक परमाणु समझौते को लेकर बातचीत कई अमेरिकी सरकारों के दौरान चलती रही है। हालांकि, पहले की कोशिशें परमाणु प्रसार रोकने से जुड़ी शर्तों को लेकर अटक गई थीं।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में चर्चा किए गए पुराने समझौतों के विपरीत, मौजूदा मसौदे में सऊदी अरब को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के अतिरिक्त प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर करने के लिए बाध्य नहीं किया गया है। यह प्रोटोकॉल निरीक्षकों को बिना पहले सूचना दिए उन जगहों तक पहुंच देता है, जिन्हें घोषित नहीं किया गया है। व्हाइट हाउस का कहना है कि यह समझौता पूरी तरह अमेरिकी परमाणु ऊर्जा कानून का पालन करता है और इसमें परमाणु प्रसार रोकने के लिए मजबूत सुरक्षा उपाय शामिल हैं।

गोलीबारी के बाद दोबारा व्हाइट हाउस डिनर का आयोजन, ट्रंप बोले– शो जारी रहेगा

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार रात व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर में हिस्सा लिया, जो अप्रैल में हुई गोलीबारी की घटना के बाद अब दोबारा आयोजित किया गया। इस दौरान ट्रंप ने कहा, जैसा मैंने तीन महीने पहले कहा था, शो जारी रहना चाहिए। यह कार्यक्रम वॉशिंगटन के वाल्डॉर्फ एस्टोरिया होटल में हुआ, जहां करीब 700 मेहमानों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मेहमानों को एक ही प्रवेश द्वार से अंदर लाया गया, जहां पहचान जांच, स्निफर डॉग, हथियारबंद सुरक्षा कर्मी और अन्य सख्त इंतजाम मौजूद थे। इस बार न तो रेड कार्पेट था और न ही पहले की तरह भव्य स्वागत समारोह। इस कार्यक्रम की शुरुआत व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष और सीबीएस न्यूज की पत्रकार वेइजिया जियांग के संबोधन से हुई। उन्होंने अप्रैल की घटना को याद करते हुए कहा, हम वापस आ गए हैं। हम डरने वाले नहीं हैं और हिंसा को आखिरी शब्द नहीं बनने देंगे। अप्रैल में आयोजित पहले डिनर के दौरान एक हमलावर ने सुरक्षा जांच चौकी पर हमला कर दिया था, जिससे कार्यक्रम में अफरा–तफरी मच गई थी और लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा था। इस बार के कार्यक्रम में कुछ बदलाव भी किए गए। दो नए पुरस्कार जोड़े गए, एक सीक्रेट सर्विस एजेंट विक्टर गोंजालेस को, जिन्होंने हमले के दौरान बहादुरी दिखाई, और दूसरा उस होटल स्टाफ को, जहां पहली बार कार्यक्रम आयोजित हुआ था। अपने संबोधन में ट्रंप ने माहौल हल्का रखने की कोशिश की, लेकिन मीडिया पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि यह श्ट्रंप डिरेंजमेंट सिंड्रोम वाले लोगों का सबसे बड़ा जमावड़ाश है। हालांकि, उन्होंने पहले से तैयार तीखे भाषण को छोड़कर हल्के–फुल्के अंदाज में बात की। इस आयोजन को लेकर आलोचनाएं भी सामने आई हैं। कुछ लोगों का मानना है कि पत्रकारों और नेताओं का इस तरह साथ आना प्रेस की निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। पॉयन्टर इंस्टीट्यूट की मीडिया विशेषज्ञ केली मैकब्राइड ने कहा कि इससे जनता के बीच गलत संदेश जाता है कि पत्रकार और नेता आपस में करीबी हैं। यह डिनर ऐसे समय में हुआ है जब ट्रंप प्रशासन और मीडिया के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। हाल ही में सरकार ने कुछ पत्रकारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की कोशिश की थी, जिसे बाद में वापस लेना पड़ा। इस मुद्दे पर कई प्रेस संगठनों ने भी चिंता जताई है और व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन से सरकार के खिलाफ खुलकर बोलने की अपील की है। व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन ने साफ किया कि इस डिनर का उद्देश्य एक स्वतंत्र प्रेस का जश्न मनाना है और यह दिखाना है कि लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका कितनी अहम है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।